सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

प्रधान संपादकः रतन प्रकाश सिंह

www.swarajindianews.com

swarajindianews swarajindianews

दैनिक सांध्यकालीन

स्वराज इंडिया

अन्नदाता को अपमानित करके कोई राज्य सफल नहीं हो सकता

» Pg12

कानपुर, गुरुवार, 30 अक्टूबर, 2025
वर्षः 02, अंकः 288, पृष्ठः 8+4, मूल्यः ₹ 2/-

इनसाइड सीसीटीवी ने खोली लॉ स्टूडेंट की 'गन स्टोरी'... » Pg02

फाइल पास कराने के नाम पर मांगे 14 हजार

एक और घूसखोर रंगेहाथ गिरफ्तार

विकास भवन में हड़कंप, जिला मत्स्य पालन अधिकारी को प्रयागराज एंटी करप्शन टीम ने कार्यालय से दबोचा

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

प्रतापगढ़/लखनऊ। जिला मत्स्य पालन अधिकारी दीपांकर कुमार को विजिलेंस टीम ने 14 हजार रुपये घूस लेते रंगे हाथों गिरफ्तर कर लिया। वह फाइल पास करने के नाम पर 14 हजार रुपये की मांग कर रहा था। गिरफ्तारी की खबर से पूरे विकास भवन में हड़कंप मच गया। टीम उसे गिरफ्तार करके प्रयागराज ले गई है। विजिलेंस टीम बृहस्पतिवार को विकास भवन पहुंची। मत्स्य पालन अधिकारी विकास कुमार को 14 हजार रुपये घूस लेते हुए रंगे हाथों दबोच लिया। वहीं दूसरी ओर राजधानी लखनऊ में रेप के आरोपी को बचाने के लिए पेपर मिल चौकी इंचार्ज को दो लाख रुपए लेते समय एंटी करप्शन टीम ने रंगे हाथ पकड़ा है।

जिला मत्स्य पालन अधिकारी दीपांकर कुमार को रंगे हाथ पकड़ती विजिलेंस टीम।

उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति को अपना रखा है। इसके तहत बड़े-बड़े अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई हो रही है। यूपी के डीजीपी राजीव कृष्ण ने हाल ही में रिश्वत लेने के मामले में 11 पुलिस कर्मियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए निलंबित कर दिया था। हालांकि इसके बावजूद पुलिस विभाग के कर्मी रिश्वत लेने से बाज नहीं आ रहे हैं। इसी क्रम में लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट में तैनात एक दारोगा को एंटी करप्शन की टीम ने 2 लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगेहाथ धरदबोचा है।

जानकारी के मुताबिक, दुष्कर्म के मुकदमे में नाम हटाने के बदले कोचिंग संचालक से दो लाख रुपये की घूस लेते पेपर मिल चौकी इंचार्ज धनंजय सिंह को एंटी करप्शन टीम ने रंगे हाथ पकड़ा है। उनके पास से दो लाख रुपये भी मिले हैं। टीम उनसे पूछताछ में जुटी है। साथ ही उनके खिलाफ मुकदमा भी दर्ज किया गया है। एक पीड़िता ने कानपुर के दर्शन पुरवा निवासी ब्रिटिश स्पीकिंग लैंग्वेज कोचिंग के संचालक प्रतीक गुप्ता के खिलाफ महानगर थाने में दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज कराया था। इस मामले में पेपर मिल चौकी इंचार्ज धनंजय सिंह ने प्रतीक को 11 सितंबर को गिरफ्तार कर जेल भेजा था।

रिश्वत लेते गिरफ्तार दारोगा धनंजय सिंह।

पुलिस का दारोगा रेप के आरोपी को बचाने के लिए ले रहा था दो लाख की घूस रिहा होने के बाद खोली पोल

मुकदमा दर्ज कराने वाली युवती प्रतीक की निजी सचिव थी। एंटी करप्शन टीम के मुताबिक जेल से कुछ दिन पहले ही छूटकर आए प्रतीक ने खुद को निर्दोष बताया और कहा कि मुकदमा लिखाने वाली युवती चार अन्य लोगों के साथ मिलकर झूठे मुकदमे में फंसा कर रुपये वसूलती है। प्रतीक ने आरोप लगाए थे कि दारोगा धनंजय सिंह ने मुकदमे से नाम हटाने के एवज में उनसे मोटी रकम मांगी थी। एडवांस के तौर पर दो लाख रुपये ले रहे थे। शिकायत पर टीम ने ट्रैप करते हुए प्रतीक को रुपये लेकर बुधवार शाम पेपर मिल चौकी में भेजा और उनकी शर्ट पर कैमरा भी लगाया।

दारोगा ने जैसे ही हाथ में रुपये लिए टीम ने उन्हें पकड़ लिया। धनंजय मूलरूप से आजमगढ़ के मेहनाजपुर स्थित ग्राम कूबा खास के रहने वाले हैं और वर्तमान में गोमती नगर विस्तार में रहते थे। एंटी करप्शन टीम उनसे पूछताछ में जुटी है। वहीं प्रतापगढ़ और राजधानी लखनऊ में हुई इस कार्रवाई से पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया है।

समीक्षा बैठक

समुद्र भारत की सभ्यता का मंथन स्थल रहा है: सीएम योगी

लखनऊ में बनेगा नौसेना शौर्य संग्रहालय, इतिहास को कर सकेंगे महसूस: मुख्यमंत्री

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को संस्कृति विभाग की समीक्षा बैठक में राजधानी लखनऊ में प्रस्तावित नौसेना शौर्य संग्रहालय की कार्य योजना का अवलोकन करते हुए इसके शीघ्र निर्माण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह संग्रहालय भारतीय नौसेना की अदम्य शौर्य गाथाओं और हिन्द महासागर क्षेत्र में भारत की सामुद्रिक क्षमता का जीवंत प्रतीक बनेगा।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि समुद्र भारत की सभ्यता का मंथन स्थल रहा है, और भारतीय नौसेना उस गौरवशाली परंपरा की आधुनिक अभिव्यक्ति है। उन्होंने कहा कि लखनऊ का यह संग्रहालय उसी परंपरा को जन-जन तक पहुँचाने का माध्यम बनेगा। इस संबंध में जारी एक बयान में कहा गया कि संग्रहालय भारतीय नौसेना के शौर्य के विभिन्न पहलुओं से अवगत कराएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि संग्रहालय को केवल देखने योग्य नहीं बल्कि 'अनुभव का केंद्र' बनाया जाए, जहाँ दर्शक इतिहास को महसूस कर सकें। उन्होंने निर्देश दिए कि नौसेना संग्रहालय में छत्रपति शिवाजी महाराज के बारे में आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराई जाए। संग्रहालय से संबंधित प्रस्तुति के अनुसार, परियोजना दो प्रमुख हिस्सों में विकसित हो रही है।

पहली-'आईएनएस गोमती शौर्य स्मारक' और दूसरी-'नौसेना शौर्य वाटिका'। 'आईएनएस गोमती (एफ-21)' गोदावरी श्रेणी का स्वदेशी मिसाइल फ्रिगेट है जिसने 34 वर्षों तक भारतीय नौसेना में सेवा दी और 'ऑपरेशन कैक्टस', 'ऑपरेशन पराक्रम' जैसे अभियानों में भाग लिया।

इसे संरक्षित कर संग्रहालय परिसर में प्रदर्शित किया जाएगा ताकि नागरिक और युवा उसकी बहादुरी की कहानी को प्रत्यक्ष देख सकें। मुख्यमंत्री ने 'नौसेना शौर्य वाटिका' को परियोजना का विशेष आकर्षण बताते हुए इसके शीघ्र पूर्ण होने के निर्देश दिए। इस वाटिका में टीयू-142 विमान, जो 29 वर्षों तक नौसेना की समुद्री निगरानी और आपदा राहत अभियानों में सक्रिय रहा, स्थापित किया जाएगा।

इसके साथ ही सी किंग एसके-42बी हेलीकॉप्टर की प्रदर्शनी भी प्रस्तावित है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह वाटिका युवाओं को आधुनिक नौसैनिक अभियानों और प्रौद्योगिकी से जोड़ने वाला सजीव अनुभव स्थल बनेगी। बैठक में बताया गया कि संग्रहालय परिसर में 7डी थिएटर, विमानवाहक लैंडिंग सिमुलेटर, युद्धक सिमुलेटर, द्वारका मॉडल, डिजिटल वाटर स्क्रीन शो, समुद्री जीवन एक्वेरियम जैसी सहभागितापरक गतिविधियां होंगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लखनऊ का यह संग्रहालय भारतीय नौसेना की वीरता का ही नहीं, बल्कि भारत की समुद्री आत्मा का भी प्रतीक बनेगा और यह उत्तर प्रदेश को राष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर एक नयी एवं गौरवपूर्ण पहचान देगा।

सीसीटीवी ने खोली लॉ स्टूडेंट की 'गन स्टोरी'

विनायकपुर कांड में आया नया मोड

» सीसीटीवी फुटेज में अभिजीत के हाथ में दिखी अवैध पिस्टल

» वरिष्ठ अधिकारियों की सख्ती के बाद जांच नए सिरे से शुरू

» पुलिस की भूमिका पर उठे सवाल, चौकी इंचार्ज निलंबित

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। विनायकपुर में विधि छात्र अभिजीत सिंह पर हुए जानलेवा हमले के मामले में सामने आए सीसी कैमरे के फुटेज ने पूरी कहानी का रुख बदल दिया है। अब यह साफ हो गया है कि मेडिकल स्टोर संचालक अमर सिंह का पक्ष दोषी तो था ही, लेकिन अभिजीत का पक्ष भी उतना निर्दोष नहीं है। फुटेज के मुताबिक, अभिजीत वारदात से ठीक पहले एक व्यक्ति से मारपीट करते हुए नजर आ रहा है और उसके हाथ में अवैध पिस्टल भी दिखाई दे रही है। इसी पिस्टल को उसने मेडिकल स्टोर के काउंटर पर रख दिया, जिससे विवाद बढ़ गया और मामला खूनी संघर्ष में तब्दील हो गया।

FOLLOW UP

हमले में अभिजीत गंभीर रूप से घायल हुआ था। चापड़ से किए गए वार से उसका सिर फट गया, अंगुली कटी और अंगूठा अलग हो गया था। घटना के बाद उसे गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहीं, पुलिस पर पक्षपातपूर्ण कार्रवाई का आरोप लगने से मामला और गरमाया।

अब अधिकारियों की सख्ती के बाद जांच नए सिरे से शुरू हुई है और सीसी फुटेज की जांच से कई और राज खुलने की उम्मीद है।

अपराधियों का पुलिस कनेक्शन...

इस पूरे प्रकरण ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। शुरुआत में पुलिस ने मेडिकल स्टोर संचालक की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर दिया, जबकि घायल अभिजीत की ओर ध्यान नहीं दिया। बाद में सामने आए वीडियो ने पुलिस की लापरवाही और अपराधियों के साथ संभावित मिलीभगत को उजागर किया।मामले में अब तक तीन आरोपी अमर सिंह, विजय सिंह और निखिल तिवारी को जेल भेजा जा चुका हैं, जबकि चौथा आरोपी प्रिंसराज श्रीवास्तव को बुधवार को कचहरी से गिरफ्तार किया गया। चौकी इंचार्ज सचिन भाटी को लापरवाही के चलते निलंबित किया गया है। वहीं, कानपुर बार एसोसिएशन और लायर्स बार एसोसिएशन में भी प्रिंसराज की सदस्यता को लेकर विवाद छिड़ गया है।

> पूरे मामले की बारीकी से जांच हो रही है और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आगे की कार्रवाई तय की जाएगी। जो लोग दोषी हैं उन पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।
> **कपिल देव सिंह, एडीसीपी**

गांव नहीं ले गए बारात और मंदिर में ही डाली वरमाला

» एक दूजे के साथ रहने की खाई कसम, विवाह की दूर-दूर हो रही खूब चर्चा

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर देहात। समाज में आज दहेज जैसी प्रथा चरम पर है। वहीं ऐसे भी परिवार हैं जो बिना दहेज के बेटियों को अपनाकर पवित्र रिश्ते को सम्मान दे रहे हैं। ऐसा ही एक मामला रसूलाबाद में आया। जहां बिना किसी दान-दहेज मंदिर में ही दो परिवार के लोगों ने अपने बेटे-बेटी का विवाह धूमधाम से किया। जहां युवक ने एक ऐसी महिला से विवाह किया। जिसका पति नहीं था और उसका पुनर्विवाह हुआ। वहीं इस विवाह की क्षेत्र में खूब चर्चा हो रही है।

रसूलाबाद कस्बे में स्थित धर्मगढ़ बाबा मंदिर में एक विवाह चर्चा का विषय बना हुआ है। जहां पर एक परिवार ने बिना दान दहेज के एक बेटी को अपना लिया।

दरअसल में इंदलपुर लालू निवासी राजू की पुत्री शिवानी का विवाह रामगढ़ दिबियापुर निवासी मनीष पुत्र राधेश्याम से तय था लेकिन आर्थिक कमजोरी के चलते परिवार ने कई चीजों पर असमर्थता जताई तो लडके पक्ष ने उस समस्या को समझा और बिना बारात लाये ही मंदिर में विवाह करने की बात कही। जिससे विवाह के लिए परेशान हो रहे लडकी पक्ष के लोगों को राहत की सांस मिली और रसूलाबाद कस्बा स्थित श्री धर्मगढ़ बाबा मंदिर में दोनों ही परिवार के लोगों ने विवाह को धूमधाम से संपन्न कराया। जहां दोनों ने एक दूसरे को वरमाला डालकर मंदिर पर विवाह रचाया तो बड़ी संख्या में लोग इस विवाह के गवाह बने और नवदंपति को आशीर्वाद भी दिया।

केशवपुरम में बनेगा रावतपुर थाना पुरानी दरों पर ही जमीन आवंटन

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। रावतपुर थाने की नई इमारत के लिए केशवपुरम में जमीन आवंटन का रास्ता साफ हो गया है। आवास विकास परिषद की बोर्ड बैठक में दरें बढ़ने के बावजूद पुरानी कीमत पर ही 1870.28 वर्गमीटर जमीन आवंटित करने के प्रस्ताव पर मुहर लग गई है। कानपुर में रावतपुर थाने की नई इमारत का निर्माण केशवपुरम में होगा। आवास विकास परिषद की बोर्ड बैठक में रावतपुर थाने के लिए पुरानी दरों पर ही जमीन आवंटित करने के प्रस्ताव पर मुहर लग गई है। बीते छह माह से चिह्नित जमीन की दरों पर फैसला न होने के कारण थाने की जमीन का आवंटन अटका हुआ था।

दरअसल, केशवपुरम में सामुदायिक केंद्र के पीछे स्थित 1870.28 वर्गमीटर क्षेत्रफल वाले एम-एसएफ-01 भूखंड का चयन थाने की जमीन के लिए किया गया था।

आवास विकास ने जमीन के बदले पुलिस विभाग से 10,36,88,500 रुपये की मांग की थी। जब तक पुलिस मुख्यालय से प्रस्ताव को मंजूरी मिलती परिषद की जमीनों की दरें रिवाइज हो गईं।

पुरानी दरों पर ही जमीन आवंटन की मंजूरी

इससे जमीन की कीमत में 70 हजार रुपये का इजाफा हो गया। पुलिस विभाग पुरानी दरों पर ही जमीन की मांग कर रहा था। बढ़ी कीमत के चलते बीते छह से जमीन आवंटन पर फैसला नहीं हो पा रहा था। इसके चलते इसे परिषद की बोर्ड बैठक में रखने का फैसला लिया गया।

बोर्ड ने पुरानी दरों पर ही जमीन आवंटन की मंजूरी दे दी है। उप आवास आयुक्त आत्मा स्वरूप श्रीवास्तव ने बताया कि पुलिस मुख्यालय से धनराशि मिलते ही जमीन आवंटन की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी।

एक ही स्थान पर थाना और आवास होंगे

वर्तमान में रावतपुर थाना रामलला के पास किराये के भवन में चल रहा है। नई इमारत में थाने के साथ ही पुलिसकर्मियों के आवास, हवालात, मुंशियाना, शस्त्रागार के साथ ही अन्य जरूरी विभागों का निर्माण किया जाएगा।

समीक्षा बैठक में महापौर प्रमिला पांडेय ने दी सख्त हिदायत

शहर होगा अतिक्रमण मुक्त, सड़कों पर नहीं दिखेगा कूड़ा, प्रदूषण पर होगी सख्त कार्रवाई

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर।नगर निगम मुख्यालय के समिति कक्ष में आज महापौर डॉ. प्रमिला पांडेय और नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय की संयुक्त अध्यक्षता में शहर की वायु गुणवत्ता सुधार, स्वच्छता और अतिक्रमण मुक्ति अभियान को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित हुई।बैठक में महापौर ने साफ कहा कि दीपावली और छठ पूजा के बाद शहर में कहीं भी कूड़े के ढेर नहीं दिखने चाहिए। इस पर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अमित सिंह ने बताया कि 30 अक्टूबर से 1 नवम्बर तक लगातार तीन दिन तक रबिश और स्वास्थ्य विभाग की सभी गाड़ियां विशेष अभियान चलाकर शहरभर से कूड़ा हटाएंगी।

कूड़ा जलाने पर होगी कार्रवाई

महापौर ने निर्देश दिया कि किसी भी क्षेत्र में खुले में कूड़ा जलाते पाए जाने पर संबंधित जोनल सैनिटरी ऑफिसर (छ्वस्ह) के खिलाफ कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने सफाई कर्मचारियों को भी चेताया कि यदि वे कूड़ा जलाते मिले तो उनके विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई होगी।

महापौर ने कहा कि धूल नियंत्रण के लिए पानी छिड़काव करने वाली मशीनों को पुनः सक्रिय किया जाए और उन्हें उन सड़कों पर भेजा जाए जहां प्रदूषण अधिक है।

निर्माण कार्यों से फैलते प्रदूषण पर नगर निगम की खास नजर

मुख्य अभियंता सैय्यद फरीद अख्तर जैदी ने बताया कि सभी जोनल अभियंताओं को सरकारी और निजी निर्माण कार्यों से उत्पन्न मलबे की नियमित जांच और सफाई के निर्देश दिए जा चुके हैं।उद्यान प्रभारी अभियंता दिवाकर भास्कर ने बताया कि इस वर्ष मियावाकी तकनीक से 1.05 लाख पौधे लगाए गए हैं, जो सभी जीवित हैं। ये पौधे सरायमीता और हाईवे किनारे लगाए गए हैं, जिससे शहर में हरियाली बढ़ी है।

मेट्रो निर्माण से सीवर जाम की समस्या

महापौर ने परमपुरवा और गोविंद नगर क्षेत्रों में सीवर भराव की समस्या पर चिंता जताई। मुख्य अभियंता ने बताया कि मेट्रो कार्यों में प्रयुक्त वेंटोलाइट मटेरियल के कारण सीवर लाइनें जाम हो रही हैं। महापौर ने निर्देश दिया कि ऐसे स्थानों का नियमित निरीक्षण किया जाए।

अवैध विज्ञापन और अतिक्रमण पर कड़ा रुख रहेगा

महापौर ने प्रभारी विज्ञापन अधिकारी विजय को निर्देशित किया कि शहर में लगे सभी अवैध विज्ञापन बोर्ड तत्काल हटाए जाएं। उन्होंने कहा, सबसे पहले जिन बोर्डों पर मेरी फोटो लगी है, उन्हें हटाया जाए।साथ ही, महापौर ने नगर आयुक्त को आदेश दिया कि अतिक्रमण हटाने के लिए पुलिस टीमों के साथ संयुक्त अभियान चलाया जाए। उन्होंने कहा कि कार्रवाई से पहले और बाद की तस्वीरें मुख्यमंत्री, पुलिस आयुक्त और जिलाधिकारी को भेजी जाएं।

सीवर कार्यों की समीक्षा

गोविंद नगर की जर्जर सीवर लाइन बदलेगी

महापौर ने जल निगम द्वारा अम्बा नर्सिंग होम के पास अधूरे पड़े सीवर कार्य पर नाराज़गी जताई। महाप्रबंधक आनंद कुमार त्रिपाठी ने बताया कि कई बार टेंडर जारी किए गए, पर निविदा नहीं आई। इस पर महापौर ने निर्देश दिया कि यदि टेंडर नहीं आ रहे हैं, तो कार्य विभागीय स्तर पर कराया जाए।महाप्रबंधक जलकल ने बताया कि 15वें वित्त आयोग की एक करोड़ रुपये की धनराशि से गोविंद नगर में नई सीवर लाइन डाली जाएगी, क्योंकि मौजूदा लाइन 1945 में बनी थी और पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुकी है।बैठक में अपर नगर आयुक्त, मुख्य अभियंता, स्वास्थ्य अधिकारी, जोनल अधिकारी और अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

तहसीलदार न्यायिक के 'कारीगर' का घूस लेते वीडियो वायरल, जांच शुरू

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर। सदर तहसील के तहसीलदार न्यायिक कैलाश यादव की कोर्ट में उनके कारीगर अजय शुक्ला का रिश्वत लेते वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। वीडियो में वह कुर्सी के नीचे से रुपये लेकर गिनने के बाद उन्हें जेब में रखते नजर आया। हालांकि, SWARAJ INDIA वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता है।जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि वायरल वीडियो के माध्यम से मामला संज्ञान में आया है। जांच के लिए एडीएम न्यायिक चंद्रशेखर को नामित किया गया है। 31 अक्तूबर तक रिपोर्ट आने के बाद उसी आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

तहसील में तैनात कर्मचारियों ने बताया कि अजय करीब 15 वर्षों से तहसीलदार न्यायिक की कोर्ट में प्राइवेट कर्मचारी है। सरकारी लिखापढ़ी में इनका कहीं नाम नहीं है। आरोप है कि कार्यालय में फाइलों के रखरखाव से लेकर कई मामलों के निस्तारण तक में वसूली करता है। पूर्व में इसके खिलाफ शिकायतों के बाद भी कार्रवाई नहीं हुई।

बुधवार को जब अजय का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ तो अधिकारी की भूमिका पर भी सवाल उठने लगे। इस संबंध में तहसीलदार न्यायिक कैलाश की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई।

मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। परिजनों से पूछताछ में आत्महत्या करने का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। तहरीर और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की जाएगी।

लेखपाल की सुनियोजित योजना के तहत भूमाफियाओं ने की ग्राम प्रधान से मारपीट

डीएम से शिकायत का अंजाम, सुरार में प्रधान को भू माफियाओं ने बनाया निशाना

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर।ग्राम पंचायत सुरार की सरकारी ऊसर भूमि पर कब्ज़े का मामला अब राजस्व विभाग और भूमाफियाओं की मिलीभगत का खुला उदाहरण बन गया है। आज दोपहर जब सरकारी ऊसर भूमि पर एक कब्जा रुकवाने पहुंचे ग्राम प्रधान पंकज यादव पर लेखपाल अनिल कुमार की मौजूदगी में हमला किया गया। ग्रामीणों के अनुसार, राजकुमार, पंकज कछवाहा, अश्वनी और वीरेंद्र नामक युवक देसी कट्टा और लोहे की रॉड लेकर ग्राम प्रधान पर टूट पड़े। ग्राम प्रधान ने बताया कि उन्होंने हाल ही में जिलाधिकारी कानपुर को भूमि माफियाओं के खिलाफ शिकायत सौंपी थी, जिसकी प्रति लेकर वह मौके पर पहुंचे थे उसी दौरान हमला किया गया। उनका आरोप है कि यह मारपीट पहले से तैयार साजिश का हिस्सा थी, जिसमें लेखपाल अनिल कुमार की सीधी भूमिका है। प्रधान ने कहा लेखपाल ने पहले से भू माफियाओं को इशारा दे रखा था, ताकि मुझे डराया जा सके।

शिकायत वापस लेने के पीछे सौदेबाजी का शक

इस पूरे विवाद की जड़ वही पुरानी फर्जी रिपोर्ट है, जो लेखपाल अनिल कुमार ने तैयार की थी। उसमें आराजी संख्या 607, 608, 610 और 613 को निजी खरीदी गई भूमि बताया गया, जबकि तहसील रिकॉर्ड में यह सभी राजकीय ऊसर भूमि दर्ज हैं। इसी रिपोर्ट के सहारे माफियाओं ने प्लॉटिंग और बाउंड्री वॉल खड़ी कर दी। हाल ही में सदर एसडीएम के आदेश पर सीमित हिस्से में बुलडोजर चला, लेकिन कुछ ही दिनों बाद फिर से उसी जगह पर नए प्लॉट काटे जाने लगे।यही वजह है कि कार्रवाई की रफ्तार थम गई और सरकारी जमीन पर फिर से निर्माण शुरू हो गया है।

प्रशासन खामोश, माफिया सक्रिय

जिले के वरिष्ठ अधिकारी दावा कर रहे हैं कि जांच जारी है, मगर सुरार में जमीनी हालात कुछ और ही बयां करते हैं। सरकारी ऊसर भूमि पर न सिर्फ दीवारें खड़ी हैं बल्कि एक माफिया ने तो कब्ज़े की जमीन में कमरा भी बनवा लिया है। स्वराज इंडिया की लगातार रिपोर्टिंग के बाद भी अब तक लेखपाल अनिल कुमार पर न मुकदमा हुआ, न निलंबन की कार्रवाई। स्थानीय लोग अब पूछ रहे हैं क्या सुरार में कानून सिर्फ कागज़ों पर है, या वाकई भू-माफिया सरकार को चुनौती देने पर आमादा हैं? इस विषय पर जब द्वितीय पक्ष पंकज कछवाह से सवाल किया गया तो उनके द्वारा बताया गया कि जिस ज़मीन पर वह निर्माण कार्य कर रहे थे, वह उनकी निजी भूमि है। आरोप है कि ग्राम प्रधान पंकज यादव मौके पर पहुंचे और 1 लाख की रंगदारी मांगी। जब उन्होंने इसका विरोध किया तो दोनों पक्षों के बीच कहासुनी और झड़प हो गई। पंकज कछवाह का दावा है कि प्रधान आए तो सरकारी ज़मीन की बात कहकर रुकवाने लगे, जबकि वह ज़मीन हमारी निजी है। उन्होंने धमकी दी कि अगर पैसा नहीं दोगे तो रिपोर्ट लगवाकर बुलडोजर चलवा दूंगा।

मतदाता सूची सुधार को लेकर प्रशासन सक्रिय

एसडीएम ने दलों संग की समीक्षा बैठक, बोले शुद्ध सूची से ही निष्पक्ष चुनाव संभव

बीएलए नियुक्ति, मतदाता सूची संशोधन और पारदर्शिता पर रहा फोकस

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर (कानपुर)। आगामी प्रगाढ़ पुनरीक्षण 2025 को लेकर बुधवार को उप जिलाधिकारी कार्यालय बिल्हौर में राजनीतिक दलों के साथ एक विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में निर्वाचन कार्यों की पारदर्शिता, मतदाता सूची के अद्यतन और बूथ लेवल एजेंट(बीएलए) की नियुक्ति जैसे अहम मुद्दों पर गहन चर्चा हुई।

बैठक की अध्यक्षता उप जिलाधिकारी डॉ. संजीव दीक्षित ने की। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था की मजबूती के लिए मतदाता सूची का शुद्ध और त्रुटिरहित होना अत्यंत आवश्यक है। इसके लिए सभी राजनीतिक दलों की सक्रिय भागीदारी जरूरी है। एसडीएम ने यह भी निर्देश दिए कि सभी दल अपने-अपने बीएलए शीघ्र नियुक्त करें ताकि पुनरीक्षण अभियान समयबद्ध तरीके से पूरा किया जा सके। एसडीएम डॉ. दीक्षित ने निर्वाचन विभाग के कर्मचारियों को भी निर्देशित किया कि मतदाता सूची में किसी प्रकार की त्रुटि न रहे और प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम सही रूप में दर्ज हो। उन्होंने कहा कि एसआईआर कार्ययोजना के अंतर्गत सभी स्तरों पर सतर्कता और समन्वय बनाए रखना आवश्यक है। बैठक में तहसीलदार अनुभव चंद्रा समेत निर्वाचन विभाग के अधिकारी, कर्मचारी और विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। इसमें भाजपा से जेपी कटियार, बसपा से विनय कुमार गौतम, सपा से साहिर हुसैन जाफरी सहित अन्य प्रतिनिधियों ने भी भाग लिया।

बैठक के दौरान राजनीतिक दलों ने अपने सुझाव रखते हुए मतदाता सूची में सुधार को लेकर प्रशासन को पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।

अंत में एसडीएम ने कहा प्रशासन और राजनीतिक दलों के संयुक्त प्रयास से ही पारदर्शी और निष्पक्ष चुनाव की दिशा में बेहतर परिणाम संभव हैं।

दम मदार...बेड़ा पार!

मकनपुर शरीफ में अदा हुई गुलपोशी की रस्म

हजारों जायरीन ने दरगाह में मांगी अमन की दुआ

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

मकनपुर/बिल्हौर (कानपुर)। विश्व प्रसिद्ध सूफ़ी संत हज़रत सैय्यद बदीउद्दीन ज़िंदा शाह की दरगाह मकनपुर शरीफ़ में बुधवार को अदब और अकीदत के माहौल में गुलपोशी की रस्म अदा की गई। हिंदुस्तान के विभिन्न प्रांतों से आए सैकड़ों जायरीनो ने दरगाह पहुँचकर हाजिरी दी और अमन-ओ-चैन की दुआ मांगी।

दरगाह के सज्जादा नशीन ने बताया कि मुस्लिम कैलेंडर के मुताबिक़ हर साल 6 जमादुल मदार को यह रस्म अदा की जाती है। गुलपोशी के दौरान पूरा परिसर दम मदार बेड़ा पार की सदाओं से गूंज उठा। सुबह से ही दरगाह में अकीदतमंदों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। फूलों से सजी मजार शरीफ़ पर गुलपोशी के साथ चादरपोशी की रस्म भी अंजाम दी गई। यह दरगाह कौमी एकता, भाईचारे और अमन का प्रतीक मानी जाती है। बताया जाता है कि अतीत में कई बादशाह भी यहां घुटनों के बल हाजिरी देने पहुंचे थे। दरगाह के सज्जादा नशी नूरुल अरफात जाफरी मदारी ने बताया कि इस बार मकनपुर शरीफ़ में 609 वें उर्स-ए-मुबारक का आयोजन 7, 8 और 9 नवम्बर को किया जाएगा। उर्स को लेकर प्रशासन ने तैयारियां पूरी कर ली हैं। सुरक्षा, सफ़ाई, यातायात और रोशनी की व्यवस्थाओं को लेकर अधिकारियों ने दरगाह परिसर का निरीक्षण किया। देशभर से लाखों जायरीन के आने की संभावना को देखते हुए प्रशासनिक और मज़हबी समितियाँ मिलकर व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने में जुटी हैं।

सड़क पर छटपटाती हुई मछलियां लूटने की होड़

मरियानी गांव के पास हादसे से मची अफरातफरी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर (कानपुर)। बुधवार की सुबह चौबेपुर हाईवे पर उस वक्त अफरातफरी मच गई जब मरियानी गांव के पास एक टाटा पिकअप अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे के बाद सड़क पर हजारों मछलियां छटपटाती नजर आईं। देखते ही देखते हाईवे मछली बाजार में तब्दील हो गया। कोई बाल्टी लेकर भागा, तो कोई पॉलिथीन लेकर मछलियां बटोरने लगा।

जानकारी के मुताबिक टाटा पिकअप वाहन देर रात करीब चार बजे कानपुर की ओर जा रही थी। तभी मरियानी गांव के पास अचानक संतुलन बिगड़ने से गाड़ी डिवाइडर से टकराकर पलट गई। गनीमत रही कि चालक और क्लीनर दोनों बाल-बाल बच गए और कुछ देर बाद मौके से निकल गए।

हादसे की सूचना मिलते ही चौबेपुर पुलिस मौके पर पहुंची और भीड़ को समझाकर हटाया। पुलिस ने काफी मशक्कत के बाद सड़क खाली कराई। बताया जा रहा है कि मछलियां कन्नौज के एक व्यापारी की थीं जो कानपुर की मछली मंडी ले जाई जा रही थीं। फिलहाल व्यापारी या चालक की ओर से कोई तहरीर नहीं दी गई है। स्थानीय लोगों के मुताबिक, हादसे के बाद करीब आधे घंटे तक हाईवे पर अफरातफरी का माहौल बना रहा। कई लोग मौके का वीडियो बनाते दिखे जबकि कुछ लोग बाल्टियों और बोरियों में मछलियां भरकर घर ले जाते रहे।

दो शातिर वाहन चोर गिरफ्तार, चोरी की मोटरसाइकिल बरामद

पुलिस की मेहनत रंग लाई, चोरों को भेजा जेल

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर (कानपुर)। बिल्हौर पुलिस को वाहन चोरी के मामले में एक बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने दो शातिर चोरों को गिरफ्तार करके उनके द्वारा चोरी की गई मोटरसाइकिल बरामद की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, थाना बिल्हौर क्षेत्र से मोटरसाइकिल चोरी हो जाने के संबंध में दिनांक 28 अक्टूबर 2025 को मु.अ.सं. 438/25 धारा 3(5)/ 303(2)/ 317(2) बीएनएस के तहत पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया गया था।

घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्परता से जांच शुरू की और संभावित ठिकानों पर लगातार दबिशें दीं। पुलिस की मेहनत रंग लाई जब नानामऊ अंडरपास के नीचे से दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। पकड़े गए अभियुक्तों की पहचान विमलेश कुमार पुत्र महेंद्र सिंह निवासी ककरघटा थाना ठठिया, जनपद कन्नौज एवं सौरभ कुमार दोहरे पुत्र नाथूराम निवासी ककरघटा थाना ठठिया, जनपद कन्नौज के रूप में हुई।

पुलिस ने बताया कि थाने में बाईक चोरी का मामला दर्ज किया गया था। पुलिस टीम ने बाईक चोरी करने वाले दोनों को गिरफ्तार कर लिया है और इनके कब्जे से चोरी की गई मोटरसाइकिल बरामद कर ली गई है।

कोतवाल अशोक कुमार सरोज ने बताया कि दोनों अभियुक्तों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उन्हें जेल भेज दिया गया है। यह पूरी कार्रवाई श्रीमान पुलिस आयुक्त कानपुर नगर के निर्देशन में, पुलिस उपायुक्त पश्चिम, अपर पुलिस उपायुक्त पश्चिम तथा सहायक पुलिस आयुक्त बिल्हौर के कुशल पर्यवेक्षण में की गई।

सम्पादकीय

तार्किक नहीं महंगी कृत्रिम बारिश का विकल्प

आखिरकार, लंबे समय से दिल्ली को प्रदूषण से मुक्त कराने के लिए विकल्प के बड़े दावे के रूप में प्रचारित कृत्रिम बारिश का प्रयोग सिरे नहीं चढ़ सका है। अन्ततः दिल्ली में यह बहु-प्रचारित प्रयोग स्थगित करना पड़ा। बल्कि बारिश की फुहारों के बजाय राजनीतिक घमासान और सवालों की बारिश के रूप में इसकी परिणति हुई। राष्ट्रीय राजधानी के आकाश में छाये जहरीले धुएं को धोने के लिए जो करीब सवा तीन करोड़ रुपये खर्च किए गए, वे बूंदाबांदी भी नहीं नहीं ला सके। इसके बाद न केवल आसमान सूखा रहा बल्कि दिल्ली की उम्मीदें भी सूखी रहीं। इसके इतर प्रदूषण के समाधान के लिए बहुप्रचारित इस प्रयोग के असफल होने के तुरंत बाद आम आदमी पार्टी और सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी में राजनीतिक घमासान शुरू हो गया। इसमें दो राय नहीं कि वैज्ञानिक परीक्षण तार्किकता और अनुकूल परिवेश में ही सिरे चढ़ता है। इसी तरह क्लाउड सीडिंग के लिए जरूरी अनुकूल परिस्थितियों के न होने के तथ्य को गंभीरता से नहीं लिया गया। दरअसल, कृत्रिम बारिश केवल उन्ही परिस्थितियों में फलीभूत होती है जब वातावरण में पर्याप्त नमी हो, आसमान में घने बादल छाए हों तथा हवा का रुख स्थिर बना रहे। दुनिया के कई देशों, मसलन चीन, थाईलैंड और संयुक्त अरब अमीरात में कृत्रिम बारिश के प्रयोग इसलिए सफल हो सके क्योंकि उन्होंने इस प्रयोग को सिरे चढ़ाने के लिये सही समय को चुना था। दिल्ली के शासन-प्रशासन ने इस प्रयोग को अमली जामा पहनाने से पहले इस बात को नजरअंदाज किया कि दिल्ली का आसमान शुष्क है और वातावरण में नमी की कमी है।

ऐसे में पर्याप्त आर्द्रता यानी बादलों के पर्याप्त घनत्व के बिना सिल्वर आयोडाइड की लपटें बारिश पैदा नहीं कर सकतीं। ऐसा नहीं हो सकता कि इस विकल्प को सिरे चढ़ाने वाले योजनाकारों को विज्ञान की यह सीमा ज्ञात नहीं थी। फिर भी यदि सरकार आगे बढ़ी तो निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि सरकार की प्राथमिकता परिणामों के बजाय इससे मिलने वाले प्रचार को लेकर ज्यादा रही। ऐसे में एक सवाल यह भी उठता है कि क्या दिल्ली सरकार समस्या के वास्तविक समाधानों की अनदेखी करते हुए कृत्रिम बारिश को सिरे चढ़ाने वाले महंगे विकल्पों पर दांव लगा सकती है

वास्तव में हमें प्रदूषण की जड़ों पर प्रहार करने की जरूरत है। कृत्रिम बारिश एक फौरी विकल्प तो हो सकता है,लेकिन समस्या का अंतिम समाधान नहीं हो सकता। वास्तव में आज जरूरत प्रदूषण उत्सर्जन के स्रोतों को बंद करने की है। दिल्ली में सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को दुरुस्त करने की आवश्यकता है ताकि लोग निजी वाहनों का उपयोग कम करें। सरकार की प्राथमिकता वाहनों से होने वाले उत्सर्जन को कम करने, साल भर चलने वाले निर्माण कार्य से उत्पन्न धूल को नियंत्रित करने तथा पर्यावरण अनुकूल मानदंडों को सख्ती से लागू करने की होनी चाहिए। सरकार को चाहिए था कि खर्चीली कृत्रिम बारिश की योजना को सिरे चढ़ाने के बजाय हवा को अधिक प्रभावी ढंग से साफ करने को तरजीह दी जाती।

चीन के दुर्लभ खनिज ब्रह्मास्त्र से बेचैन ट्रंप

क्षमा यादव

चीन यदि चाहे तो परिष्कृत दुर्लभ खनिजों का निर्यात बंद करके अमेरिका, यूरोप, जापान और भारत समेत पूरी दुनिया के सूचना प्रौद्योगिकी, रक्षा, स्वच्छ ऊर्जा, चिकित्सा और कार उद्योगों को घुटनों पर ला सकता है। परंतु वह जानता है इससे.. चीन यदि चाहे तो परिष्कृत दुर्लभ खनिजों का निर्यात बंद करके अमेरिका, यूरोप, जापान और भारत समेत पूरी दुनिया के सूचना प्रौद्योगिकी, रक्षा, स्वच्छ ऊर्जा, चिकित्सा और कार उद्योगों को घुटनों पर ला सकता है। परंतु वह जानता है इससे नुक़सान उसका भी होगा क्योंकि उसे अपना माल बेचने के लिए इन मंडियों की ज़रूरत है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप हर छोटे-बड़े देश को अपने टैरिफ़ फ़रमानों से झुकाने या निरुत्तर करने में कामयाब रहे हैं। लेकिन चीन उनकी हर ईंट का जवाब पत्थर से दे रहा है, जिससे हर बार ट्रंप को पीछे हटना पड़ रहा है। ट्रंप इस मुग़ालते में थे कि विश्व की सबसे बड़ी और अमीर अमेरिकी मंडी और सबसे उन्नत तकनीक व्यापार युद्ध में अमोघ अस्त्र का काम करेंगे। लेकिन चीन ने मुक़ाबले के लिए एक ऐसा अस्त्र तैयार कर रखा था जो ब्रह्मास्त्र साबित हुआ। रेयर और क्रिटिकल अर्थ यानी दुर्लभ और अत्यावश्यक खनिजों का अस्त्र, जिसकी इन दिनों पूरे विश्व में चर्चा है।

क्या हैं दुर्लभ और अत्यावश्यक खनिज? आजकल क्यों इतनी चर्चा में हैं और इन पर चीन के एकाधिकार की कहानी क्या ह दुर्लभ और अत्यावश्यक खनिज कम मात्रा में मौजूद होने के कारण दुर्लभ नहीं कहलाते। इनकी मात्रा तो प्रचुर है लेकिन पूरी धरती पर इतने कम घनत्व के साथ फैली हुई है कि इन्हें वाजिब लागत पर निकाल पाना संभव नहीं है।

बहुत कम जगहें ऐसी हैं जहां इनका घनत्व खुदाई के लायक मिलता है। ये पृथ्वी के गर्भ से निकलने वाले लावे के साथ सतह पर आते हैं। इसलिए लावे से बनी चट्टानों की सतह पर या उनकी गहराई में मिलते हैं। दूसरी बड़ी समस्या इनकी रेडियोधर्मिता है जो होती तो बहुत कम मात्रा में है लेकिन उसके होने के कारण इनकी खुदाई और शोधन से निकलने वाले मलबे को रिहायशी और कृषि इलाकों से दूर बरसों दबाकर रखना ज़रूरी हो जाता है। बहुत कम जगहों पर पर्याप्त घनत्व के साथ मिलने, शोधन की प्रक्रिया जटिल और ख़र्चीली होने और पर्यावरण पर बुरा असर डालने के कारण ही इन्हें दुर्लभ कहा जाता है।लगभग समान रासायनिक संरचना वाले 17 दुर्लभ खनिजों को उनके अणुभार के हिसाब से हल्के और भारी की दो श्रेणियों में बांटा जाता है।

कम अणुभार वाले हल्के दुर्लभ खनिजों में नियोडीमियम और प्रैस्योडीमियम की मांग सर्वाधिक है। नियोडीमियम के बिना आपके स्मार्टफ़ोन, बिजली की कारें, लेज़र चिकित्सा उपकरण और एमआरआई स्कैनर नहीं बनाए जा सकते। प्रैस्योडीमियमका प्रयोग विमान इंजन, लक्ष्यभेदी मिसाइल, राडार और ड्रोन जैसे रक्षा सामान में होता है। अधिक अणुभार वाले या भारी दुर्लभ खनिजों में डिस्प्रोज़ियम, इट्रियम और टर्बियम की मांग सबसे अधिक है। डिस्प्रोज़ियम का प्रयोग उन्नत तकनीक और स्वच्छ ऊर्जा की मशीनों में लगने वाले चुंबकों में किया जाता है।

इसका ऑक्साइड परमाणु रियेक्टरों को ठंडा रखने के काम आता है। टर्बियम का प्रयोग टीवी स्क्रीन और सॉलिड स्टेट डेटा भंडार बनाने में किया जाता है। इरीट्रियम का प्रयोग भी टीवी स्क्रीनों से लेकर मिश्र धातु तैयार करने जैसे कामों में किया जाता है। दुर्लभ खनिजों से ही कोबाल्ट, लिथियम, निकल और ग्रेफ़ाइट जैसे अत्यावश्यक श्रेणी के खनिज भी जुड़े हैं जिनके बिना बैटरियां, ऊर्जा भंडार, सौर पैनल, पवन चक्कियां और पनबिजली संयंत्र नहीं बनाए जा सकते।

जन-सुराज के एजेंडे से बदलाव की कोशिश

भविष्य के लिए वोट करें

जयंती लाल भंडारी

राजनीतिक विश्लेषक मानते हैं कि यदि जन सुराज को 5-7 प्रतिशत वोट भी मिलते हैं, तो दर्जनों सीटों के नतीजे बदल सकते हैं। एक ब्राह्मण नेता के रूप में किशोर भाजपा के सवर्ण आधार और नीतीश सरकार से नाराज़ गैर-यादव पिछड़ों को अपनी ओर खींच सकते हैं। लालू-नीतीश युग को 'भ्रष्ट दुर्गंध' बताकर तेजस्वी यादव के युवा समर्थक वर्ग में सेंध लगा सकते हैं। बिहार विधानसभा चुनाव में इस बार राज्य की राजनीति में एक नया चेहरा जुड़ गया है-प्रशांत किशोर। वह व्यक्ति, जिन्होंने कभी नरेंद्र मोदी और नीतीश कुमार जैसे नेताओं की चुनावी रणनीति तैयार की थी, अब खुद मैदान में हैं। उनकी 'जन सुराज यात्रा' और पूरे राज्य में सक्रिय अभियान ने पारंपरिक दो ध्रुवों-एनडीए और महागठबंधन-के बीच तीसरे विकल्प की संभावना को जन्म दिया है।

इस चुनाव में प्रशांत किशोर की प्रासंगिकता दो वजहों से अहम है। एक, तो वह जाति-आधारित राजनीति से आगे बढ़कर सुशासन और पारदर्शिता की नई भाषा बोल रहे हैं। दूसरा, वह उस मतदाता वर्ग को संबोधित कर रहे हैं, जो बीते 35 वर्षों के लालू-नीतीश युग से ऊब चुका है। उनकी छवि 'बाहरी सुधारक' की है, जो राजनीति में पेशेवर दृष्टिकोण और नैतिकता लाने का दावा करते हैं। लगभग 665 दिनों की पदयात्रा में उन्होंने गांवों में लोगों से संवाद किया। इस यात्रा से यह भी साफ़ हुआ कि राज्य की राजनीति केवल तकनीकी या प्रबंधन आधारित नहीं है-यहां भरोसा, जातीय समीकरण और

स्थानीय नेटवर्क निर्णायक भूमिका निभाते हैं। किशोर की सबसे बड़ी शक्ति उनकी 'बाहरी' और 'साफ़ छवि' है। वह न तो किसी परिवार के उत्तराधिकारी हैं और न ही किसी जातीय गुट के प्रतिनिधि। उनका नारा 'अपने बच्चों के भविष्य के लिए वोट करें' नौजवान और मध्यवर्गीय मतदाताओं को सीधा संदेश देता है। बेरोज़गारी, पलायन और भ्रष्टाचार से तंग युवाओं को उनमें एक नया विकल्प दिखता है। उनका प्रचार बड़े जलसों की बजाय युवाओं के क्लब, डिजिटल ट्रेनिंग, छात्रवृत्ति योजनाएं और सोशल मीडिया के माध्यम से संवाद करता है। उनकी कार्यशैली 'जनसंपर्क और डेटा' का मिश्रण है, जिसमें आदर्शवाद और दक्षता दोनों की झलक मिलती है। नीतीश कुमार की बार-बार की राजनीतिक पलटियों और राजद की पारिवारिक छवि से ऊबे मतदाताओं को किशोर एक वैकल्पिक नैतिकता का अहसास कराते हैं। उनकी राजनीति की सीमाएं भी स्पष्ट हैं। लेकिन 'जन सुराज' की पहचान तो बन गई है, मगर संगठनात्मक ढांचा अभी कमजोर है।

उनका 'बिहारीपन से परे' संदेश-'बकैत संस्कृति छोड़ो, उत्पादक बनो'-ग्रामीण समाज के लिए कुछ हद तक अहंकारपूर्ण भी लग सकता है। बिहार की राजनीति में आत्मीयता, पहुंच और रिश्ते अधिक मायने रखते हैं। इसके अलावा, दोनों गठबंधनों पर समान रूप से हमला करने से उनका राजनीतिक संदेश कभी-कभी धुंधला पड़ जाता है। 'सत्ता या सड़क' का नारा साहसिक है, पर यथार्थ से दूर भी दिख सकता है।राजनीतिक विश्लेषक मानते हैं कि यदि जन सुराज को 5-7 प्रतिशत वोट भी मिलते हैं, तो दर्जनों सीटों के नतीजे बदल सकते हैं। एक ब्राह्मण नेता के रूप में किशोर भाजपा के सवर्ण आधार और नीतीश सरकार से नाराज़ गैर-यादव पिछड़ों को अपनी ओर खींच सकते हैं। लालू-नीतीश युग को 'भ्रष्ट दुर्गंध' बताकर तेजस्वी यादव के युवा समर्थक वर्ग में सेंध लगा सकते हैं।

वर्ष 2020 के चुनाव में दोनों गठबंधनों के वोट प्रतिशत में 1 प्रतिशत से भी कम का अंतर था। ऐसे में किशोर की मामूली बढ़त भी पूरे समीकरण को हिला सकती है। यदि परिणाम त्रिशंकु विधानसभा की ओर जाते हैं, तो किशोर 'किंगमेकर' की भूमिका में आ सकते हैं।

बोलेरो-ईको से फिर शुरू हुई चोरी के डीजल की सप्लाई

डीजल माफिया फिर एक्टिव

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

» गोगोमऊ के एचपी टैंकरों और रेलवे मालगाडियों से चोरी किए गए डीजल का टिकरा में भंडारण

» स्वराज इंडिया के स्टिंग ऑपरेशन में सामने आया कि बिठूर से सफीपुर तक सक्रिय है नेटवर्क

कानपुर। कानपुर देहात से लेकर उन्नाव तक फैले डीजल चोरी के इस नेटवर्क ने एक बार फिर से अपने पंख फैला लिए हैं। गजनेर थाना क्षेत्र के गोगोमऊ इलाके में स्थित हिंदुस्तान पेट्रोलियम (एचपी) के टैंकरों से रोजाना डीजल चोरी कर बिठूर थाना क्षेत्र के टिकरा इलाके में बने गुप्त गोदाम तक पहुंचाया जा रहा है।यही नहीं, गैंग के सदस्य भीमसेन, पनकी और सचेंडी के बीच से गुजरने वाली रेलवे लाइन पर खड़ी तेल वाहक मालगाडियों से भी डीजल चोरी करते हैं।

इस पूरे नेटवर्क का संचालन टिकरा निवासी महेंद्र पाल, उसका बेटा अमन पाल और साथी अंशु करते हैं, जो पिछले करीब दो दशकों से इस अवैध धंधे में सक्रिय हैं। स्वराज इंडिया की टीम की पिछली रिपोर्टिंग के बाद कुछ समय के लिए गैंग ने अपना काम बंद कर दिया था, लेकिन बीते 15 दिनों से फिर से यह नेटवर्क सक्रिय हो गया है। अब बोलेरो और मारुति ईको गाडियों से रोजाना तडक़े 5 बजे चोरी का डीजल टिकरा गोदाम से बिठूर थाना रेंज को पार करते हुए उन्नाव के सफीपुर और बांगरमऊ तक सप्लाई किया जा रहा है।

सूत्रों के मुताबिक, गोगोमऊ के प्रधान ढाबा के आसपास की पार्किंग में खड़े एचपी टैंकरों से डीजल चोरी का खेल देर रात से शुरू होकर भोर तक चलता है।

वहीं दूसरी ओर, रेलवे लाइन पर खड़ी तेल वाहक मालगाडियों से चोरी का काम बेहद सुनियोजित ढंग से किया जाता है।

चोरी किए गए डीजल को कैनों में भरकर बोलेरो और ईको कारों में लादा जाता है और टिकरा के पास बने गोदाम में जमा किया जाता है।वहीं से इसे मिलावट कर आगे सप्लाई किया जाता है और चौंकाने वाली बात यह है कि गाड़ियां रोजाना पुलिस चौकियों से होकर गुजरती हैं, लेकिन किसी स्तर पर कोई रोक-टोक नहीं होती।स्थानीय लोगों का कहना है कि इस काले कारोबार से महेंद्र पाल ने टिकरा में आलीशान मकान और गोदाम खड़ा कर लिया है, जबकि उसका बेटा अमन पाल अब नेटवर्क का फ्रंट फेस बन चुका है।स्वराज इंडिया की टीम इस नेटवर्क से जुड़े नए रूट, गोदाम और सप्लाई चैन से जुड़े पुख्ता विजुअल और सबूत जुटाने में लगी है।

बहुत जल्द इस पर बड़ा खुलासा किया जाएगा, ताकि यह साबित हो सके कि कानपुर से उन्नाव तक विभागीय संरक्षण में कैसे चल रहा है यह डीजल माफिया नेटवर्क।

एलएलबी छात्र पर चापड़ से हमले का चौथा आरोपी प्रिंस गिरफ्तार घटना के बाद से था फरार

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। एलएलबी छात्र पर चापड़ से हमले के चौथे आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। मेडिकल स्टोर संचालक समेत तीन पहले ही जेल जा चुके।

विनायकपुर में एलएलबी छात्र पर चापड़ से हमला करने के आरोपी प्रिंस राज श्रीवास्तव को रावतपुर पुलिस ने बुधवार को कोर्ट के बाहर से गिरफ्तार कर लिया। वह घटना के बाद से फरार चल रहा था। पुलिस इस मामले में मेडिकल स्टोर संचालक समेत तीन को पहले ही जेल भेज चुकी है।केशवपुरम निवासी एलएलबी छात्र अभिजीत सिंह पर 25 अक्तूबर की रात करीब दस बजे चापड़ से हमला हो गया था। वह विनायकपुर स्थित मेडिकल स्टोर से दवा लेने गया था। हमले में उसके हाथ की दो अंगुलियां और पेट की आंतें कट गई थीं। पुलिस ने अभिजीत सिंह पर ही रंगदारी मांगने और मारपीट करने की रिपोर्ट दर्ज कर ली। उसके मामा की ओर से मेडिकल स्टोर संचालक अमर सिंह, उसके भाई विजय सिंह, प्रिंस राज श्रीवास्तव और निखिल के खिलाफ एफआईआर कराई थी। प्रारंभिक जांच में पुलिस की लापरवाही सामने मिली थी। चौकी इंचार्ज सचिन भाटी को निलंबित कर दिया गया, जबकि इंस्पेक्टर के खिलाफ जांच चल रही है। एसीपी कल्याणपुर रंजीत कुमार ने बताया कि प्रिंस राज श्रीवास्तव को बुधवार दोपहर कोर्ट के बाहर से गिरफ्तार किया गया है।

वर्दी शर्मशार: महिला से छेडख़ानी करने वाला सिपाही हुआ सस्पेंड

» गुरुदेव चौकी क्षेत्र में महिला से अभद्रता, विरोध करने पर सिपाही ने धमकाया

» कमिश्नर के आदेश पर आरोपी सिपाही निलंबित, छेड़छाड़ की धाराओं में केस दर्ज

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। महिलाओं की सुरक्षा का जिम्मा संभालने वाली पुलिस की छवि उस वक्त दागदार हो गई, जब कानपुर में वर्दीधारी सिपाही ने दिनदहाड़े महिला से छेडख़ानी कर दी। मामला रावतपुर थाने के अंतर्गत गुरुदेव चौकी क्षेत्र का है, जहां पीआरवी 4731 में तैनात सिपाही प्रगेश सिंह ने काम पर जा रही महिला का रास्ता रोककर अभद्रता की। आरोप है कि उसने महिला का हाथ पकडक़र छेड़छाड़ की और विरोध करने पर धमकाया भी।

घटना दोपहर करीब तीन बजे की है, जब स्वरूपनगर क्षेत्र की रहने वाली महिला डॉक्टर के घर काम पर जा रही थीं। गोल चौराहे के पास खड़ी पीआरवी के पास पहुंचते ही सिपाही ने महिला से बातचीत के बहाने उसका हाथ पकड़ लिया। महिला ने झटककर विरोध किया और वहीं भिड़ गई। शोर सुनकर आसपास लोग जुट गए और कुछ ने वीडियो भी बना लिया।महिला ने आरोपी सिपाही को पकडक़र गुरुदेव चौकी तक खींच लाईं, जहां उसने कार्रवाई की मांग को लेकर हंगामा किया। मामला बढ़ता देख थाना प्रभारी राजेश शर्मा ने दोनों पक्षों को शांत कराने का प्रयास किया, लेकिन पीड़िता समझौते से इनकार कर दी। उसने आरोपी के खिलाफ तहरीर दी, जिसके बाद पुलिस ने सिपाही को हिरासत में लिया।एसीपी स्वरूपनगर सुमित सुधाकर रामटेके ने बताया कि जांच में प्रथम दृष्टया आरोप सही पाए गए हैं। सिपाही के खिलाफ छेड़छाड़ की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसे गिरफ्तार और निलंबित किया गया है। उन्होंने कहा कि मामले की विस्तृत जांच जारी है।कमिश्नर ने भी घटना को गंभीरता से लेते हुए रिपोर्ट तलब की है। मिशन शक्ति 5.0 के दौरान महिला सुरक्षा पर चल रहे अभियान के बीच हुई यह शर्मनाक घटना पुलिस व्यवस्था पर सवाल खड़े करती है।

अगर कोई कार्रवाई नहीं कर रहे तो दे दो इच्छा मृत्यु

अखिलेश दुबे प्रकरण

» निर्मल तिवारी, स्वराज इंडिया

कानपुर। पिछले डेढ़ वर्ष में कानपुर पुलिस की कार्यवाहियों का रिकॉर्ड चमकदार है। जिन कथित संगठित अपराधियों पर पुलिसिया कार्रवाई शुरू हुई रॉकेट की गति से उस समूह पर मुकदमों का पहाड़ लद गया। बीते अगस्त माह में कानपुर पुलिस ने ऑपरेशन महाकाल शुरू किया। जिसके अंतर्गत पहली कार्यवाही शहर के चर्चित वकील अखिलेश दुबे पर की गई। कार्रवाई शुरू होते ही एक पखवाड़े के अंदर अखिलेश दुबे और उसके कुछ साथियों पर पांच मुकदमे दर्ज हो गए। पुलिस कार्रवाई से उत्साहित तमाम अन्य पीड़ित सामने आए और अखिलेश दुबे के खिलाफ कुछ ही दिनों में शिकायतों की संख्या पचासा पार कर गई।

- एसआईटी की धीमी जांच से शिकायतकर्ता हताश, केडीए की चुप्पी पर उठाए प्रश्न
- शिकायतकर्ता पूछ रहे अब तक शस्त्र लाइसेंस निरस्तीकरण की कार्यवाही क्यों नहीं
- लखनऊ में बैठे वरिष्ठ पुलिस अधिकारी की भूमिका पर भी लगाए प्रश्नचिन्ह

जांच के लिए एसआईटी का गठन हो गया और तब से अब तक शिकायतों की जांच का दौर जारी है। जांच की इस मैराथन प्रक्रिया ने शिकायतकर्ताओं के विश्वास को डिगा दिया है? सभी ने एक रेस्टोरेंट में पत्रकारों के समक्ष अपनी पीड़ा का इजहार किया। एक शिकायतकर्ता प्रज्ञा त्रिवेदी तो हताशा में इच्छा मृत्यु की मांग करती नजर आईं।

अखिलेश दुबे के खिलाफ शिकायतों की जांच की गति धीमी होने, रिपोर्ट दर्ज न किए जाने, केडीए द्वारा अवैध निर्माण का ध्वस्तीकरण न करने जैसे मुद्दों पर अखिलेश दुबे मुक्ति मोर्चा ने आर-पार की लड़ाई का ऐलान किया है। मामले की सीबीआई जांच कराने की मांग की गई। कार्रवाई न होने व धमकियों से डरीं प्रज्ञा त्रिवेदी ने तो सोशल मीडिया पर पोस्ट व मेल करके इच्छामृत्यु तक की मांग कर दी। शिकायतकर्ताओं द्वारा बनाए गए अखिलेश दुबे मुक्तिमोर्चा की ओर से मालरोड स्थित एक रेस्टोरेंट में पत्रकार वार्ता यह मांग की गई। वार्ता के दौरान भाजपा प्रदेश संयोजक एवं अखिलेश दुबे से पीड़ित पहले शिकायतकर्ता रवि सतीजा ने बताया कि किस तरह अखिलेश ने उनके साथ-साथ कई अन्य लोगों को दुष्कर्म के झूठे मुकदमों में फंसाकर रंगदारी वसूली। उन्होंने आरोप लगाया कि अखिलेश दुबे बिना वकालत किए अरबों रुपये की संपत्ति का मालिक बन गया। भतीजा के अनुसार एक पान मसाला कारोबारी के बेटे को पॉक्सो के झूठे मुकदमे में दो साल जेल काटनी पड़ी जबकि वह लडक़ी को जानता तक नहीं था, बाद में वो कोर्ट से बरी भी हुआ। वहीं प्रज्ञा त्रिवेदी ने कहा कि अखिलेश के खिलाफ बावन प्रार्थना पत्र लंबित हैं लेकिन एफआईआर दर्ज नहीं की जा रही। उन्होंने मांग की पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर जांच करे। अगर जांच में मामला झूठा पाया जाए तो वादी के खिलाफ कार्रवाई करें। अधिवक्ता सौरभ भदौरिया ने अखिलेश व उसके परिवार के शस्त्र लाइसेंसों की जांच रिपोर्ट को दबाए जाने व कोई कार्रवाई न किए जाने पर सवाल खड़े किए।

अधिवक्ता आशीष शुक्ला ने अखिलेश दुबे द्वारा कब्जाए गए सरकारी पार्कों की जमीनों को खाली न कराने पर केडीए, नगर निगम और शहर के जनप्रतिनिधियों तक को घेरा। रजिस्ट्रार कार्यालय की सत्यापित प्रति दिखाते हुए कहा कि डॉ. बृजकिशोरी दुबे स्मारक संस्थान की प्रबंध समिति में शामिल अखिलेश सहित सभी लोग फर्जीवाड़े के दोषी हैं। पत्रकार वार्ता में पूर्व विधायक भूधर नारायण मिश्रा, समाजसेवी मनोज सिंह, शैलेंद्र शर्मा, अधिवक्ता सोहेल जफर, अधिवक्ता सचिन सिंह आदि ने भी अपनी पीड़ा बताई।

वरिष्ठ आईपीएस अफसर पर मदद के आरोप

पीड़ितों ने लखनऊ में बैठे एक वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी पर अखिलेश दुबे की मदद करने के आरोप लगाए गए। भाजपा नेता रवि सतीजा ने बताया कि जब वह डीजीपी प्रशांत कुमार से मिलने गए थे तो उन्होंने कहा था कि अखिलेश की मदद एक वरिष्ठ आईपीएस अफसर कर रहा है, उससे जाकर मिलो। बताया कि आईपीएस अफसर से मिलकर अपनी पीड़ा बताई थी। वहीं, प्रज्ञा त्रिवेदी ने भी अखिलेश की बेटी आंचल पर इसी आईपीएस अधिकारी के रहते उनके परिवार का कुछ न बिगडऩे व धमकी देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा अगर सरकार न्याय नहीं दिला सकती तो इच्छामृत्यु दे।

केडीए खेल रहा नोटिस नोटिस का खेल

अवैध तरीके से सरकारी जमीन पर बने अखिलेश दुबे के ब्रजकिशोरी संस्थान, ब्रजकिशोरी वाटिका, किशोरी उद्यान, शक्तिदीप पैलेस, सिविल लाइंस स्थित आगमन गेस्ट हाउस, नवाबगंज स्थित आशुतोष धाम, जूडियो मॉल बिल्डिंग, ग्राम कठेरुआ स्थित महाविद्यालय के निर्माण पर रोक लगाने और कब्जों को खाली कराने के लिए केडीए में कई बार प्रार्थना पत्र दिए गए लेकिन सिर्फ नोटिस भेजकर केडीए खानापूरी कर लेता है। आरोप लगाया केडीए द्वारा नोटिस भेजकर मदद करने की कोशिश की जाती है। छह माह से ध्वस्तीकरण की कार्रवाई सिर्फ कागजों पर ही चल रही है।

शहर के जनप्रतिनिधियों से मांगा सहयोग

शिकायतकर्ताओं का कहना है अखिलेश दुबे और उसके साथियों द्वारा एक नहीं कई सरकारी पार्कों पर कब्जे किए गए। अखिलेश दुबे का घर किदवई नगर विधानसभा क्षेत्र में आता है। क्षेत्रीय विधायक महेश त्रिवेदी की जिम्मेदारी है कि उसने जितने पार्कों पर कब्जा किया है, उन्हें खाली कराने के लिए आगे आएं। इसके अलावा सांसद रमेश अवस्थी और विधान सभा अध्यक्ष सतीश महाना के भी शहर का होने के नाते उनकी भी जिम्मेदारी बनती है कि वो सरकारी पार्कों पर कब्जा खाली कराने में मुक्ति मोर्चा का सहयोग करें।

कानपुर शहर से हटाए गए 1270 अवैध विज्ञापन पट्ट

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर ।शासन के दिशा-निर्देशों के अनुपालन में महापौर प्रमिला पांडेय एवं नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय के नेतृत्व में कानपुर नगर निगम द्वारा अवैध व अनाधिकृत विज्ञापनों तथा अतिक्रमणों के खिलाफ चलाए जा रहे संयुक्त अतिक्रमण अभियान के तहत आज एक बड़ी कार्रवाई की गई ।नगर निगम टीमों ने शहर के सभी जोनों में अभियान चलाकर कुल 1270 अवैध विज्ञापन पट्टों को हटाया।

इनमें 850 कियोस्क, 170 बिलबोर्ड और 250 रोड क्रॉस बैनर शामिल हैं ।नगर निगम अधिकारियों के अनुसार, शहर को स्वच्छ, सुंदर और अव्यवस्था-मुक्त बनाने के लिए यह अभियान निरंतर जारी रहेगा। अवैध विज्ञापन लगाने वालों पर कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई है ।महापौर ने कहा कि जनमानस को अवैध विज्ञापनों व अतिक्रमणों से मुक्ति दिलाना हमारी प्राथमिकता है। शहर की सुंदरता और यातायात व्यवस्था में बाधा बनने वाले तत्वों के खिलाफ सख्त कदम जारी रहेंगे

नगर आयुक्त ने नागरिकों से अपील की है कि वे शहर को स्वच्छ व सुव्यवस्थित रखने में नगर निगम का सहयोग करें।

‘एक कदम गांधी के साथ’ पदयात्रा का कानपुर देहात में स्वागत

» पदयात्रा 2 अक्टूबर को वाराणसी के राजघाट से प्रारंभ हुई थी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात।महात्मा गांधी के विचारों और मूल्यों को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से निकली ‘एक कदम गांधी के साथ’ पदयात्रा 2 अक्टूबर को वाराणसी के राजघाट से प्रारंभ हुई थी। यह ऐतिहासिक यात्रा अब कानपुर देहात पहुंच चुकी है।

बुधवार 29 अक्टूबर को शाम 4 बजे वैष्णव गेस्ट हाउस, कांधी (कानपुर देहात) में जिला पंचायत सदस्य श्री राम सिंह यादव के आतिथ्य में पदयात्रा का भव्य स्वागत किया जाएगा। इस अवसर पर पूर्व सांसद श्री राजाराम पाल सहित INDIA महागठबंधन के कई वरिष्ठ नेता, गांधीवादी, सामाजिक कार्यकर्ता, लेखक एवं पत्रकार उपस्थित रहेंगे।

कार्यक्रम की जानकारी देते हुए उत्तर प्रदेश किसान कांग्रेस के प्रदेश नेता आनंद प्रकाश वर्मा ‘भैया जी’ ने बताया कि यह पदयात्रा गांधीजी के सत्य, अहिंसा और ग्राम स्वराज के संदेश को सशक्त बनाने का प्रयास है। उन्होंने सभी पदाधिकारियों और साथियों से अपील की है कि समय से उपस्थित होकर इस ऐतिहासिक यात्रा का स्वागत एवं अभिनंदन करें। इस दौरान किसान नेता स्वर्गीय चौधरी नरेंद्र सिंह की पौत्री निहारिका सिंह ने कहा कि

यह यात्रा पूरे प्रदेश में सामाजिक सौहार्द, सद्भाव और गांधीवादी चिंतन को पुनर्जीवित करने का संदेश लेकर आगे बढ़ रही है। इसका सभी को स्वागत करना चाहिए।

करोड़ों की जमीन के दो दावेदार अब कौन करेगा फैसला

एक पक्ष ने डीएम से शिकायत की, दूसरा पक्ष बोला जमीन के सभी कागज मौजूद

» स्वराज इंडिया न्यूज

अकबरपुर में करोड़ों की जमीन पर
भूमाफियाओं का चल रहा खेल, प्रशासन मौन
» प्रशासनिक अधिकारी तक मौके पर पहुंचे, लेकिन कोई निष्कर्ष नहीं निकला
सरकार और प्रशासन से सीधे सवाल

कानपुर देहात। जनपद के अकबरपुर क्षेत्र में ज़मीनों पर भू-माफियाओं का खेल चरम पर है। मामला अकबरपुर कस्बे के हाईवे सर्विस लेन का है, जहां आधू गांव की ओर जाने वाले स्थित करोड़ों की ज़मीन को लेकर दो पक्षों में विवाद आज भी गरमाया हुआ है। इसको लेकर अपने को जमीन का मालिक बताने वाला परिवार जिलाधिकारी की चौखट पर न्याय की गुहार लगा रहा है। जबकि दूसरे पक्ष का कहना है आरोप निराधार हैं, उनके पास जमीन के सभी कागज हैं।

शिकायत में छोटेलाल निवासी नेशनल हाईवे नंबर दो सर्विस लाइन किनारे कस्बा अकबरपुर थाना अकबरपुर जिला कानपुर देहात ने बताया उसके पूर्वज सर्विस लाइन के पास 70 साल के ऊपर से मकान बनाकर रहते रहे हैं। मकान के पास प्रार्थी की जगह पड़ी है जिससे नगर पंचायत अकबरपुर कानपुर देहात से सिविल न्यायालय कानपुर देहात में सिविल वाद विचाराधीन है जिसमें संजीव सिंह भी प्रतिवादी हैं। 14 अक्टूबर को सुबह 8-00 बजे संजीव सिंह निवासी ग्राम सालावतपुर थाना अकबरपुर कानपुर देहात जेसीबी चालक पिंटू व करीब 25 लोग अज्ञात को लेकर जमीन में कब्जा करने की नीयत से जगह में खड़े शीशम व नीम एवं अन्य फलदार वृक्ष दबंगई के बल पर गिरा दिए वह प्रार्थी की जगह पर रखी लकड़ी की दुकान (खोखा) भी हटा दिया। जब उसने थाना अकबरपुर पुलिस को घटना की सूचना दी मौके पर पुलिस आई प्रार्थी ने दीवानी न्यायालय में विचाराधीन सिविल वाद की कॉपी दिखाई परंतु थाना पुलिस द्वारा किसी प्रकार की मदद नहीं की गई। पीड़ित ने परिवार पर जान माल का खतरा भी बताया है।

> जमीन पर कब्जा करने के लगाए गए आरोप पूरी तरह से निराधार हैं, जमीन में कोई हेराफेरी नहीं है, कब्जेदार ही गलत शिकायत कर रहे हैं, हमारे पास सभी कागज मौजूद हैं।
>
> **राजन सिंह, विवादित जमीन से जुड़े पक्षकार**

बीमा क्लेम के लालच में बेटे की हत्या, मां ने रची खूनी साजिश

» एक आरोपी को मुठभेड़ में घायल कर पुलिस ने पकड़ा

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

हत्या के आरोपी को पुलिस ने
मुठभेड़ में लंगड़ा कर दबोचा

कानपुर देहात। बरौर थाना क्षेत्र के अंगदपुर गांव निवासी 25 वर्षीय प्रदीप उर्फ सुक्खा के शव मिलने के तीन दिन बाद पुलिस ने हत्या का सनसनीखेज खुलासा कर दिया है। शुरुआती जांच और आरोपियों की पूछताछ में खुलासा हुआ कि बीमा क्लेम के लालच में मृतक की मां ने मिलकर पुत्र की ही हत्या करवाने की साजिश रची थी।

पुलिस ने मुख्य आरोपी ऋषि कटियार और उसके साथी मयंक उर्फ ईशू को गिरफ्तार कर लिया है। मुखबिर की सूचना पर टीम ने सुबह ऋषि को दुर्वासा आश्रम मार्ग पर मुठभेड़ में दबोचा, मुठभेड़ में ऋषि घायल हुआ और उसे अस्पताल भिजवाया गया। वहीं मयंक को रायरामापुर गेट के पास गिरफ्तार किया गया। दोनों आरोपियों के कब्जे से हत्या में प्रयुक्त आलाकत्ल हथौड़ी भी बरामद कर ली गई है। पूछताछ में मयंक ने स्वीकार किया कि प्रदीप के पिता की मौत के बाद उसकी मां के साथ उसका अवैध संबंध था। बीमा क्लेम के लिए उन्होंने प्रदीप के नाम पर कई पॉलिसियां करवाईं और 26 अक्टूबर की शाम को खाना खिलाने के बहाने प्रदीप को अपनी कार में बैठाकर हथौड़ी से सिर पर कई वार कर हत्या कर दी। शव को हाईवे पर फेंक कर घटना को दुर्घटना का रूप दिया गया ताकि बीमा राशि बिना अड़चन के मिल सके। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ हत्या सहित संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर न्यायालय में पेश किया; अदालत ने दोनों को जेल भेज दिया है। पुलिस अधीक्षक श्रद्धा नरेंद्र पांडेय के निर्देशन में बरौर थाना पुलिस की सक्रिय कार्रवाई और त्वरित छापेमारी की बदौलत मामला सुलझाया गया। थाना प्रभारी अमिता वर्मा ने बताया कि आगे की जांच जारी है और मामले से जुड़े अन्य पहलुओं की भी पड़ताल की जा रही है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। संपादक: अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 | **Email:** swarajindia2023@gmail.com | **Mob:** 7800009853, | **Website:** www.swarajindianews.com | (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

इतने हरिशचंद्र ना बनो प्रधान जी !!

ग्राम पंचायत मलासा में ग्राम प्रधान और सचिव की मिली भगत से हुआ लाखों का गोलमाल

» गिरदौ ग्राम पंचायत में बड़ा घोटाला उजागर

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात । राज्य वित्त और 15वें वित्त योजना के तहत गांवों के विकास के लिए आई धनराशि पर ग्राम प्रधान और सचिव की नजर पड़ गई। कानपुर देहात की गिरदौ ब्लॉक के गिरदौ ग्राम पंचायत में भ्रष्टाचार का ऐसा जाल बुना गया कि सरकारी पैसा सीधे प्रधान, उसके परिवार और सहयोगियों के खातों में पहुंचता रहा। अब ग्रामीणों की शिकायत के बाद यह मामला उजागर हुआ है, जिसने पूरे प्रशासनिक तंत्र को झकझोर दिया है।

» प्रधान जी दे रहे ईमानदार होने की दुहाई

» ग्रामीणों द्वारा डीएम से शिकायत करने के बाद मामले को रफा दफा करने का चल रहा प्रयास

» ग्राम प्रधान और सचिव ने मिलकर खेला विकास निधि की लूट का खेल !

» चार साल में फर्जी भुगतान कर लाखो रुपए डकारने के आरोप

» डीएम तक पहुंचा मामला, शिकायत पर अब तक नहीं शुरू हुई जाच

स्वराज इंडिया
कानपुर देहात
मनरेगा में धांधली: ग्राम प्रधान ने खुद को मजदूर दिखाकर उड़ाए लाखों रुपए

निजी भुगतान की फाइल फोटो

FOLLOW UP

शिकायत के मुताबिक ग्राम प्रधान ने सचिव की मिलीभगत से खुद को मजदूर दिखाकर लाखों रुपये का भुगतान अपने ही खातों में करा लिया। पंचायत भवन में मिट्टी भराई के साथ साथ अन्य कम कार्य में प्रधान ने खुद को मजदूर बताया और 91,048 की मजदूरी खुद ले ली। 25200 शौचालय निर्माण के लिए मजदूरी का भुगतान,18400 रेन वॉटर हार्वेस्टिंग के नाम पर मजदूरी का भुगतान, 53200 बालक,बालिका शौचालय के नाम पर मजदूरी का भुगतान किया है। यही नहीं, गांवों के फर्जी मजदूरों के खाते में भी गांव के कई कामों के नाम पर बड़ी रकम ट्रांसफर की गई।

जिन्होंने मजदूरी की नहीं उनका हो गया भुगतान

नंदलाल के खेत से हनुमान मंदिर तक इंटरलॉकिंग- 22,400, रामप्रकाश के मकान से कीरत सिंह के मकान तक नाली निर्माण - 14,000,होलिका दहन से रामनरेश के दरवाजे तक नाला निर्माण - 30,800, अकबरनगर पंचायत भवन निर्माण - 43,000, विजय के घर से हरिशंकर के खेत तक नाली निर्माण - 23,400 रुपए खर्च दिखाए गए हैं। वहीं उन्हें शिव मंदिर से रमेश प्रजापति के घर तक इंटरलॉकिंग और नाली निर्माण के नाम पर 24,800, नंदलाल के मकान से हनुमान के खेत तक सडक़ निर्माण में ?24,400, और अकबरनगर से गढ़िया तालाब तक 41,600 का भुगतान किया गया।

प्रधान के खाते में भुगतान की फाइल फोटो

ग्राम प्रधान के खाते में निजी भुगतान

विकास के नाम पर सिर्फ भ्रष्टाचार

ग्राम पंचायत गिरदौ में विकास के नाम पर केवल कागजों में काम दिखाए गए। जमीन पर कार्य अधूरे या न के बराबर हैं, लेकिन भुगतान पूरा कर दिया गया। ग्रामीणों का कहना है कि पंचायत भवन और नालियों में जो काम दिखाए जा रहे हैं, वे वास्तव में हुए ही नहीं।

गांव के लोगों ने पूरे मामले की शिकायत जिलाधिकारी कानपुर देहात से की है। शिकायत में कहा गया है कि प्रधान और सचिव की मिलीभगत से करोड़ों की मनरेगा राशि हड़प ली गई है। डीएम कपिल सिंह ने शिकायत पर गंभीरता दिखाते हुए जांच रिपोर्ट मांगी है। डीएम का कहना है, ग्राम पंचायत गिरदौ में सरकारी धनराशि के दुरुपयोग की शिकायत मिली है। जांच के बाद जो भी दोषी पाए जाएंगे, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

क्या बोले ग्राम प्रधान

ग्राम प्रधान हरजीत सिंह यादव ने कहा कि मेरे खिलाफ पहले भी आरोपों को लेकर जांच हो चुकी है, गांव के कुछ लोगों के द्वारा आरोप साजिश के तहत लगाएं जा रहे हैं, शिकायत निराधार हैं।

निरंकारी मिशन का 78वां संत समागम आत्म मंथन 31 से, देश-विदेश से आएंगे श्रद्धालु

» संत निरंकारी आध्यात्मिक स्थल समालखा में होगा समागम

» समरसता प्रेम और मानवता पर होगा कई संत करेंगे चिंतन

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज के पावन सानिध्य में निरंकारी मिशन का 78वां वार्षिक निरंकारी संत समागम आत्म मंथन 31 अक्टूबर से 3 नवंबर तक संत निरंकारी आध्यात्मिक स्थल समालखा में आयोजित होगा। समागम के आडिनेटर व मिशन के सचिव जोगेंद्र सुखीजा ने ने बताया कि जहां एक ओर दुनिया जाति धर्म भाषा और विचारों के सीमाओ में उलझी है वहीं दूसरी ओर संत निरंकारी मिशन समरसता प्रेम और मानवता की भावना का जन-जन में संचार करने को निरंतर सक्रिय है ।इस वर्ष

समागम की मूल प्रेरणा आत्म मंथन है जो आत्म चिंतन और आंतरिक जागरूकता को प्रेरित करने वाली एक सकारात्मक पहल है।

सचिव जोगेंद्र सुखीजा ने बताया कि 1929 से यह मिशन सतगुरु के दीवय संदेश को जनमानस तक पहुंचा रहा है। 1984 से वार्षिक संत समागम की एक श्रृंखला आरंभ हुई जो 96 वर्षों से सफलतापूर्वक आयोजित की जा रही है सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज इस संदेश को नई ऊर्जा नए दृष्टिकोण के साथ जन-जन तक पहुंच रही है। उन्होंने बताया कि लगभग 650 एकड़ क्षेत्र में आयोजित इस भव्य आध्यात्मिक समागम में भारत नहीं अपितु विदेशों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु व विशिष्ट अतिथि भाग ले रहे हैं। जिसके लिए लंगर कैंटीन शौचालय यातायात चिकित्सा एंबुलेंस पार्किंग सुरक्षा रहने की व्यवस्था की गई है। 1 लाख सेवादार सेवा भावना से सेवा कर रहे हैं संत निरंकारी मिशन की पहचान ने जो समर्पण और अनुशासन की भावना को दर्शाता है संत समागम के चारों दिन दोपहर 3:00 से रात 9:00 बजे तक भक्ति और ज्ञान से मुख्य कार्यक्रम होगा। समागम में संपूर्ण भारतवर्ष से लाखों की संख्या में तथा विदेश से लगभग 5000 श्रद्धालु भक्त पहुंच रहे हैं। समागम का विशेष आकर्षण कवि दरबार होगा।

स्वास्थ्य सुविधाओं का भी प्रबंध

स्वास्थ्य एवं समाज कल्याण विभाग द्वारा समागम स्थल पर स्वास्थ्य सुविधाओं का व्यापक प्रबंध किया गया है। परिसर में 8 एलोपैथिक छह होम्योपैथिक डिस्पेंसरिया 15 अतिरिक्त प्राथमिक चिकित्सा केंद्र एक चिकित्सा शिवर की भी व्यवस्था की गई है। जहां पर 120 बेड का एक अस्थाई अस्पताल भी बनाया गया है देश-विदेश से लगभग 11 लाख श्रद्धालु भक्त पहुंच रहे हैं। इस अवसर पर प्रेस कोऑर्डिनेटर परमिला सिंह पिननो मेंबर इंचार्ज राकेश मोटरेजा मेंबर इंचार्ज डॉक्टर प्रवीण खुल्लर विवेक मोजी संदीप चौधरी ने भी प्रेस को संबोधित किया। वही संत निरंकारी मिशन के मेंबर इंचार्ज मनमोहन जीत छाबड़ा भी समागम की व्यवस्था के लिए सेवा दलो के साथ तर्पता से सेवा निभा रहे हैं। वह

सौतेले पिता ने बेटी की गला रेतकर की हत्या

» आरोप हैं कि शारीरिक संबंध बनाने से किया था इंकार

मां ने की आरोपी के एनकाउंटर की मांग

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बाराबंकी । बाराबंकी जिले के देवा कोतवाली क्षेत्र के कमाल तकिया गांव में गुरुवार देर रात एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है। यहां एक पिता ने अपनी सौतेली बेटी का गला रेतकर हत्या कर दी, क्योंकि वह उसके साथ अनैतिक संबंध बनाना चाहता था। बेटी के विरोध करने पर आरोपी ने बेरहमी से उसकी जान ले ली।घटना के बाद आरोपी खून से सनी लाश के पास बैठा रहा। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके से उसे गिरफ्तार कर लिया। मृतका की मां ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से आरोपी के एनकाउंटर की मांग की है।

जोया, मृतक

पुलिस के अनुसार, आरोपी का नाम हफीजुल्ला उर्फ रियाज (50) है, जो कबाड़ का काम करता है। आरोपी ने अब तक तीन निकाह किए थे। चौंकाने वाली बात यह है कि उसने तीसरी शादी अपनी दूसरी पत्नी की मां जुबैदा से की थी।पहली पत्नी से हफीजुल्ला के पांच बच्चे हैं। दूसरी पत्नी से एक बेटी जोया (23) थी। करीब 15 साल पहले उसने दूसरी पत्नी को तलाक दे दिया और उसकी मां जुबैदा से निकाह कर लिया। इसके बाद जुबैदा अपनी बेटियों के साथ उसी के साथ रहने लगी।बीती रात जुबैदा अपनी सबसे छोटी बेटी के साथ छत पर सो रही थी, जबकि मझली बेटी जोया नीचे कमरे में थी। रात करीब एक बजे हफीजुल्ला जोया के पास पहुंचा और उससे संबंध बनाने की कोशिश की। जोया के विरोध करने और शोर मचाने पर उसने चाकू से गला रेत दिया।

शोर सुनकर मां और बहन नीचे आईं तो उन्होंने बेटी को खून से लथपथ हालत में तड़पते देखा। तब तक जोया ने दम तोड़ दिया था। हत्यारे ने उन्हें धमकाया और बाद में बेटे पर झूठा आरोप लगाने की कोशिश की, लेकिन ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस पहुंच गई और आरोपी को पकड़ लिया।पुलिस जांच में पता चला है कि हफीजुल्ला पहले भी कई आपराधिक मामलों में जेल जा चुका है। कुछ साल पहले गोकशी के मामले में उसका पुलिस एनकाउंटर भी हुआ था, जिसमें उसके पैर में गोली लगी थी। हाल ही में वह जेल से बाहर आया था। मां जुबैदा ने कहा कि मेरी बेटी जोया को किसी कीमत पर इंसाफ से वंचित नहीं किया जाना चाहिए। मैं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी से हाथ जोड़कर मांग करती हूं कि मेरी बेटी के हत्यारे का एनकाउंटर किया जाए।

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और आरोपी से सख्त पूछताछ जारी है।

चक्रवाती तूफान 'मोंथा' का यूपी में दिखने लगा प्रभाव

बारिश के बाद तापमान में तेजी से गिरावट आने की संभावना है.

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में चक्रवाती तूफान 'मोंथा' का प्रभाव दिखने लगा है, जिससे राज्य का मौसम पूरी तरह से बदलने के आसार हैं. मौसम विभाग ने 30 और 31 अक्टूबर को पूर्वांचल में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है. वाराणसी-मिर्जापुर मंडल में मूसलाधार बारिश की संभावना जताई गई है, वहीं तापमान में तेजी से गिरावट आने की संभावना है.

मौसम विभाग के अनुसार, आज गुरुवार को उत्तर प्रदेश के दोनों संभागों में बारिश का अलर्ट जारी किया गया हैं. पश्चिमी यूपी में कुछ स्थानों पर गरज चमक के साथ हल्की बारिश की संभावना है, जबकि पूर्वी यूपी में अधिकांश जगहों पर गरज-चमक के साथ भारी बारिश होने का अनुमान है. चक्रवाती तूफान 'मोंथा'का प्रभाव विशेष रूप से दक्षिणी इलाकों और पूर्वांचल के कुछ जिलों में सबसे अधिक देखने को मिल सकता है.31 जिलों में तेज हवाओं का अलर्ट जारीआज प्रदेश के 31 जिलों में गरज चमक के साथ तेज हवाएं चलने की चेतावनी दी गई है. इस दौरान 30 से 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलेंगी, ऐसे में लोगों को सावधान रहने की अपील की गई है बहुत जरूरी होने पर ही घर से बाहर निकले और सुरक्षित रहें. तूफान के असर से दिन के तापमान में गिरावट दर्ज आ सकती हैं.उत्तर प्रदेश में अगले 24 घंटों के भीतर अधिकतम तापमान में 5 से 8 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी होगी. इसके बाद अगले 24 से 48 घंटों में तापमान 3 से 5 डिग्री सेल्सियस तक गिरने की संभावना है. इसके बाद धीरे-धीरे फिर 3-5 डिग्री सेल्सियस तापमान में बढ़ोतरी होगी. जबकि अगले तीन से चार दिनों में न्यूनतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं होगा.

जय श्रीराम के नारों से गूंजी अयोध्या बूंदाबांदी में भी उमड़ा आस्था का सैलाब

ब्रह्म मुहूर्त में शुरू हुई 14 कोसी परिक्रमा, लाखों श्रद्धालु भक्ति पथ पर नंगे पांव

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। अक्षय नवमी की पूर्व संध्या पर रामनगरी अयोध्या आज एक बार फिर आस्था के अद्भुत दृश्य की साक्षी बनी है। सुबह ब्रह्म मुहूर्त 4:51 बजे से शुरू हुई चौदह कोसी परिक्रमा में श्रद्धालुओं का समुद्र उमड़ पड़ा। हल्की बूंदाबांदी के बावजूद श्रद्धा और उत्साह की लहर थमने का नाम नहीं ले रही। हर ओर जय श्रीराम के गगनभेदी नारे गूंज

रहे हैं, और सम्पूर्ण अयोध्या भक्ति से सराबोर हो उठी है।

दर्शन नगर, देवकाली, जनौरा, नाका हनुमानगढ़ी, मौदहा, सिविल लाइन स्थित हनुमान मंदिर, सहादतगंज और अफीम कोठी जैसे प्रमुख पड़ावों से लाखों परिक्रमार्थियों ने यात्रा आरंभ की। 42 किलोमीटर लंबे मार्ग पर श्रद्धालुओं के कदम थम नहीं रहे आस्था की बारिश, भक्ति की यात्रा और भगवान राम के प्रति अटूट विश्वास हर चेहरे पर झलक रहा है।

प्रशासन ने की हेल्प डेस्क की व्यवस्था

श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए प्रशासन ने हेल्प डेस्क, जल प्याऊ, चिकित्सा शिविर और विश्राम स्थलों की व्यवस्था की है।

सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद है आईजी रेंज अयोध्या प्रवीण कुमार, एसएसपी गौरव ग्रोवर और जिलाधिकारी निखिल टीकाराम फुंडे स्वयं फील्ड पर रहकर मोर्चा संभाले हुए हैं। बूंदाबांदी पर आस्था भारी पड़ रही है। रामनगरी की गलियाँ, घाट और मार्ग भक्तों के जयघोष से गूंज रहे हैं। अयोध्या एक बार फिर साबित कर रही है जहां राम हैं, वहां विश्वास अडिग है और भक्ति अटूट।

.. जब अयोध्या के एसपी ग्रामीण करने लगे बुजुर्ग की सेवा

सोशल मीडिया पर वायरल हुआ वीडियो, लोगों ने कहा, यही है असली पुलिस

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या ।रामनगरी की पवित्र भूमि इन दिनों श्रद्धा और आस्था के महासागर में डूबी हुई है। चौदह कोसी परिक्रमा में जहाँ लाखों श्रद्धालु भक्ति में लीन हैं, वहीं पुलिस बल भी दिन-रात उनकी सुरक्षा और सुविधा में लगा है। इसी बीच एक तस्वीर ने सोशल मीडिया पर लोगों के दिल जीत लिए हैं अयोध्या के एसपी ग्रामीण बलवंत चौधरी का एक ऐसा दृश्य, जिसमें वर्दी के भीतर छिपा मानवीय संवेदनाओं से भरा हृदय झलकता है।परिक्रमा मार्ग पर एक बुजुर्ग महिला थककर रुक गईं। चलना उनके बस की बात नहीं थी। तभी एसपी ग्रामीण बलवंत चौधरी ने खुद व्हीलचेयर थाम ली और उस वृद्धा को श्रद्धा से भरे मार्ग पर आगे बढ़ाया। कोई दिखावा नहीं, कोई प्रचार नहीं केवल सेवा भाव। इस मानवीय दृश्य का वीडियो जैसे ही सोशल मीडिया पर आया, वह देखते ही देखते वायरल हो गया। लोगों ने लिखा कि यह तस्वीर न केवल पुलिस की संवेदनशीलता को दिखाती है, बल्कि यह संदेश भी देती है कि वर्दी सिर्फ अनुशासन का प्रतीक नहीं, बल्कि करुणा और कर्तव्य का संगम भी है। एसपी बलवंत चौधरी का यह कृत्य उस सेवा-धर्म की सच्ची झलक है, जो अयोध्या जैसी आस्था की नगरी में पुलिस और जनता के बीच भरोसे की नई मिसाल है।

अयोध्या में मैक्स हॉस्पिटल लखनऊ ने शुरू की ब्रेस्ट कैंसर ओपीडी सेवाएं

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। पूर्वी उत्तर प्रदेश में कैंसर उपचार को सुलभ बनाने के उद्देश्य से मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, लखनऊ ने देवा मेमोरियल मेडिकल, सर्जिकल एंड मैटर्निटी नर्सिंग होम के सहयोग से अयोध्या में विशेष ब्रेस्ट कैंसर ओपीडी सेवाएं शुरू की हैं।

इस सेवा का शुभारंभ डॉ. फाराह अरशद, एसोसिएट डायरेक्टर - ब्रेस्ट एंड एंडोक्राइन सर्जरी, मैक्स हॉस्पिटल लखनऊ की उपस्थिति में हुआ। अब वह हर महीने के तीसरे गुरुवार को सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक अयोध्या में मरीजों को परामर्श देंगी। डॉ. फाराह ने कहा कि समय पर जांच और सही इलाज से ब्रेस्ट कैंसर को हराया जा सकता है। इस पहल से अयोध्या समेत आसपास के मरीजों को अब उच्चस्तरीय कैंसर उपचार घर के पास ही उपलब्ध होगा।

यूपी में 24 घंटे में तबादलों की गाड़ी पलटी

यूपी की अफसरशाही में लगातार हुए तबादलों से मचा हड़कंप!

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूर

लखनऊ। उत्तर प्रदेश शासन में मंगलवार को प्रशासनिक फेरबदल का ऐसा दौर चला कि 24 घंटे में ही कई आदेश पलट गए। प्रमुख सचिव (नियुक्ति) एम. देवराम ने एक दिन पहले जारी अपने ही तबादला आदेश को वापस ले लिया, जिससे नौकरशाही में खलबली मच गई।

सबसे दिलचस्प मामला सामने आया आईएएस डॉ. महेंद्र कुमार सिंह का। उन्हें सोमवार को मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) रामपुर के पद पर भेजा गया था। उन्होंने बरेली 12 घंटे पहले ही कार्यभार ग्रहण किया था, कि मंगलवार को उनका तबादला बदलकर सीडीओ महाराजगंज कर दिया गया।

इधर, आईएएस गुलाब चंद, जिन्हें पहले सीडीओ महाराजगंज बनाया गया था, अब सीडीओ रामपुर की जिम्मेदारी संभालेंगे। गुलाब चंद का महाराजगंज तबादला आदेश शासन ने रद्द कर दिया है।तेजी से बदलते आदेशों ने अफसरशाही में चर्चा का माहौल बना दिया है। प्रशासनिक गलियारों में यह सवाल उठ रहा है कि आखिर इतनी जल्दबाजी में तबादलों के पीछे कारण क्या है?

रिश्वतखोर लिपिक का पटल परिवर्तन

» स्वराज इंडिया की खबर का असर

अयोध्या।स्वराज इंडिया में मंडलीय चिकित्सालय के लिपिक प्रवीण त्रिपाठी द्वारा अधिवक्ता से सुविधा शुल्क मांगने की खबर प्रकाशित होने के बाद प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई की है। मुख्य चिकित्साधिकारी (सीएमओ) ने प्रवीण त्रिपाठी का पटल (डेस्क) प्रवर्तन कर दिया है।खबर के प्रकाशित होने के बाद स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया। सीएमओ ने संबंधित बाबू से स्पष्टीकरण मांगा है और विभागीय जांच की प्रक्रिया शुरू कर दी है। माना जा रहा है कि आगे जांच रिपोर्ट के आधार पर कठोर कार्रवाई भी की जा सकती है।

मंडलीय चिकित्सालय का बाबू बना दलाली का डॉक्टर

अयोध्या राम मंदिर: 3000 करोड़ मिला दान, 1500 करोड़ हुए खर्च

शेष 1800 करोड़ रुपये भविष्य के कार्यों और 25 नवंबर को होने वाले भव्य समारोह पर व्यय होंगे

» कार्यालय संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

अयोध्या। देश की आध्यात्मिक राजधानी अयोध्या में भगवान श्रीराम का भव्य मंदिर अब पूरी तरह बनकर तैयार हो गया है। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने बताया कि मंदिर के निर्माण और उससे जुड़ी परियोजनाओं पर अब तक करीब 1500 करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके हैं। मंदिर निर्माण के लिए श्रद्धालुओं और संस्थाओं से प्राप्त कुल 3000 करोड़ रुपये में से 1800 करोड़ रुपये अभी ट्रस्ट के पास शेष हैं। इनको लेकर योजना तैयार की जा रही है। बची राशि का उपयोग भविष्य के कार्यों और 25 नवंबर को होने वाले भव्य समारोह में किया जाएगा।

मंदिर निर्माण का कार्य पूर्ण

ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने बताया कि मुख्य श्रीराम मंदिर के साथ-साथ परिसर में छह अन्य मंदिरों का निर्माण भी पूरा कर लिया गया है। इनमें भगवान शिव, गणेश, हनुमान, सूर्यदेव, देवी भगवती और देवी अन्नपूर्णा के मंदिर शामिल हैं। इन सभी मंदिरों के शिखरों पर ध्वज और स्वर्ण कलश स्थापित कर दिए गए हैं, जो निर्माण कार्य के पूर्ण होने का प्रतीक हैं।

मंदिर का मुख्य गर्भगृह अत्यंत भव्य और पारंपरिक नागर शैली में निर्मित है। तीन तल वाले इस मंदिर में भगवान रामलला की मूर्ति स्थापित है। पूरे परिसर में श्रीराम कथा को दर्शाने वाले शिल्प और मूर्तियाँ उकेरी गई हैं।

अन्य सांस्कृतिक केंद्रों के निर्माण कार्य की है योजना

इस संबंध में ट्रस्ट ने बताया कि शेष निधि का उपयोग श्रीराम मंदिर परिसर के आलौकिक सौंदर्यीकरण, तीर्थयात्रियों के आवास, संग्रहालय, रामायण गैलरी, प्रसाद गृह और आगामी सांस्कृतिक केंद्रों के निर्माण में किया जाएगा। दरअसल, मंदिर निर्माण से अयोध्या का स्वरूप पूरी तरह बदल गया है। शहर में नई सड़कें, रोशनी, घाटों का नवीनीकरण और तीर्थयात्रियों के लिए सुविधाएं तेजी से विकसित की गई हैं।

अधिकारियों का कहना है कि 25 नवंबर का समारोह आध्यात्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से ऐतिहासिक क्षण होगा, जिसका साक्षी पूरा देश बनेगा। इस मौके पर पीएम नरेंद्र मोदी मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद रहेंगे।

25 नवंबर को औपचारिक समापन पर होगा ध्वजारोहण

ट्रस्ट ने घोषणा की है कि 25 नवंबर को मंदिर परिसर में ध्वजारोहण समारोह का आयोजन किया जाएगा, जो इस ऐतिहासिक निर्माण यात्रा के औपचारिक समापन का प्रतीक होगा। इस समारोह में देश और विदेश से संत, महात्मा, धार्मिक संस्थाओं के प्रतिनिधि, राजनेता, उद्योगपति और लाखों श्रद्धालु शामिल होंगे। अयोध्या में इन तैयारियों को लेकर प्रशासन और ट्रस्ट दोनों सक्रिय हैं। सुरक्षा व्यवस्था को उच्चतम स्तर पर बनाए रखने के लिए विशेष नियंत्रण कक्ष (कंट्रोल रूम) और भीड़ प्रबंधन योजना तैयार की जा रही है।

14 कोसी परिक्रमा के पर मिल्कीपुर विधायक ने किया भंडारे का आयोजन

» विशेष संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

अयोध्या। 14 कोसी परिक्रमा के पावन अवसर पर मिल्कीपुर विधायक चंद्रभानु पासवान ने श्रद्धा और भक्ति भाव से भंडारे का आयोजन किया। विधायक पासवान ने स्वयं उपस्थित होकर श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण किया और भक्तजनों के मंगल, स्वास्थ्य एवं समृद्धि की कामना की।

इस दौरान श्रद्धालुओं ने अखंड भक्ति और आस्था के साथ विस्तृत 14 कोसी परिक्रमा संपन्न की। मान्यता है कि यह परिक्रमा करने से व्यक्ति को अनेक जन्मों के पापों से मुक्ति मिलती है और भगवान श्रीराम की विशेष कृपा प्राप्त होती है। 14 कोसी परिक्रमा अयोध्या की सबसे प्राचीन और पावन परंपराओं में से एक है, जिसमें देशभर से लाखों श्रद्धालु सम्मिलित होते हैं। परिक्रमा मार्ग के स्थान-स्थान पर सेवा भाव से भंडारे, चिकित्सा शिविर और विश्राम स्थल बनाए गए, जहां भक्तों को भोजन, पानी और विश्राम की व्यवस्था रही। विधायक चंद्रभानु पासवान के आयोजन में भी श्रद्धालुओं ने बड़ी संख्या में प्रसाद ग्रहण किया।

बारिश में परिक्रमा पथ की दुश्वारियों पर आस्था भारी

अयोध्या में 14 कोसी परिक्रमा के दौरान लगातार हो रही बारिश के बीच परिक्रमा पथ पर तमाम तरह की दुश्वारियों पर रामभक्तों की आस्था भारी पड़ रही है। परिक्रमा पथ ज्यादातर स्थानों पर पक्का है तो कई जगह कच्ची रोड भी है। ऐसे में श्रद्धालुओं को कीचड़ से होकर गुजरना पड़ रहा है। पैरों में कंकड़ और गिट्टियां भी चुभ रही हैं। इसके बावजूद उनके माथे पर शिकन तक देखने को नहीं मिल रही है। हर कोई अपने आराध्य श्रीराम की भक्ति से सराबोर है। प्रदेश के विभिन्न जिलों से अयोध्या पहुंचे श्रद्धालुओं ने प्रशासनिक व्यवस्थाओं की सराहना भी की।

अन्नदाता को अपमानित करके कोई राज्य सफल नहीं हो सकता

सीएम योगी बोले- पहले की सत्ता में परेशान किसान आज खुश है

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को कहा कि अन्नदाता किसानों को अपमानित करके कोई राज्य सफल नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि हम जब सत्ता में आये तो चीनी मिलो का मॉर्डनाइजेशन किया। नई चीनी मिलें लगनी शुरू हुईं जिसका लाभ किसानों को मिल रहा है। मुख्यमंत्री योगी ने 5 कालिदास मार्ग स्थित आवास पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि चौधरी चरण सिंह ने कहा था कि किसानों के बिना उन्नति के कोई देश और राज्य आगे नही बढ़ सकता।

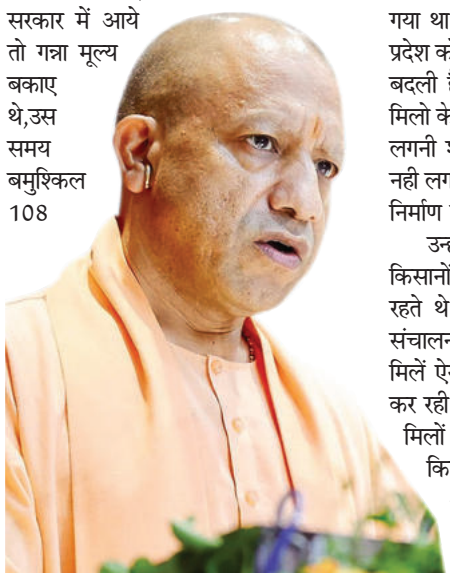

योगी ने कहा, हम जब सरकार में आये तो गन्ना मूल्य बकाए थे,उस समय बमुश्किल 108 से110 चीनी मिले चल पा रही थी। खाद्यान्न उत्पादन में उत्तर प्रदेश नम्बर 3,4 पर चला गया था। उन्होने कहा कि पहले की सत्ता ने प्रदेश को बीमारू बना दिया था। आज तस्वीर बदली है। हम जब सत्ता में आये तो चीनी मिलो के मॉर्डनाइजेशन किया। नई चीनी मिलें लगनी शुरू हुई। अब केवल चीनी मिल ही नही लग रही बल्कि अब शुगर कॉम्प्लेक्स का निर्माण होता था।

उन्होंने कहा , मैं उस समय 2017 में किसानों से वार्ता करता था तो वो हताश निराश रहते थे। आज हम 122 चीनी मिलों का संचालन कर रहे हैं। इसमे 105,106 चीनी मिलें ऐसी है जो एक हफ्ते में गन्ना भुगतान कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब चीनी मिलों के लिए गन्ना कम पड़ रहा है। अब किसान उन्नत किस्म के गन्ना उत्पादन की ओर हैं। आप जितना अच्छा गन्ना उत्पादन करेंगे। उतनी ही मिले डिस्टलरी लगेंगीं।

गौरतलब है कि योगी सरकार ने गन्ना किसानों को बड़ा तोहफा दिया है। सरकार ने गन्ने के मूल्य में 30 रुपये प्रति क्विंटल तक की बढ़ोतरी की है। इस फैसले से राज्य के गन्ना किसानों को लगभग 3000 करोड़ रुपये का अतिरिक्त लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्णय के अनुसार, अब अगैती प्रजाति के गन्ने का मूल्य 400 रुपये प्रति क्विंटल होगा, जबकि सामान्य प्रजाति के लिए यह दर 390 रुपये प्रति क्विंटल तय की गई है।

योगी सरकार का यह निर्णय किसानों के लिए एक बड़ा उपहार है, जिससे उनकी आय में महत्वपूर्ण वृद्धि होगी। गौरतलब है कि गन्ना किसान लगातार मूल्य बढ़ाने की मांग कर रहे थे। हाल ही में हरियाणा सरकार द्वारा गन्ने के दाम बढ़ाने के बाद यूपी में भी यह मांग तेज हो गई थी।इससे पहले पेराई सत्र 2021-22 में विधानसभा चुनाव से पहले 25 रुपये प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी हुई थी।